दैनिक
नर्मदा न्यूज
TO THE POINT
RNI.No.MPHIN/25/A3054
www.narmadanewsttp.com

सुविचार

अपनी जिंदगी में अगर वाकई कुछ हासिल करना है तो, अपने तरीकों को बदलों अपने इरादों को कभी नहीं।

पेज-7

● वर्ष-1, ● अंक- 290 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, सोमवार 13 अप्रैल, 2026 ● मूल्य 2 रुपए ● पृष्ठ 8

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज की सफाई शुरू...

युद्धपोत, ड्रोन और हेलीकॉप्टर तैनात

अमेरिका ने शुरू किया 'हाईटेक ऑपरेशन'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सुरक्षा बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी सेना ने इस अहम समुद्री रास्ते में बिछी संभावित बारूदी सुरंगों को हटाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए उन्नत युद्धपोत, ड्रोन और हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) के तहत दो गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत इस ऑपरेशन में शामिल हैं। इनका मुख्य काम

समुद्र में छिपी बारूदी सुरंगों का पता लगाना और उन्हें नष्ट करना है, ताकि जहाजों की आवाजाही सुरक्षित हो सके। अमेरिकी सेना के मुताबिक, यह अभियान खास तौर पर उन सुरंगों को हटाने के लिए है जिन्हें ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआर जीसी) से जोड़ा जा रहा है। ये सुरंगें बड़े जहाजों और तेल टैंकरों के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। इसके अलावा अमेरिका ने एमएच-60 एस जैसे हेलीकॉप्टर भी तैनात किए हैं। ये हेलीकॉप्टर खास लेजर सिस्टम (एएलएमडीएस) की मदद से समुद्र की सतह या उसके ठीक नीचे मौजूद सुरंगों को पहचान सकते हैं।

ड्रोन से होगी समुद्र की जांच

अमेरिका इस काम के लिए सीधे जहाजों को खतरे में नहीं डाल रहा है। इसके बजाय पानी के अंदर चलने वाले रोबोटिक ड्रोन यानी यूयूवी (अनमैन्ड अंडरवाटर व्हीकल) का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये ड्रोन टॉरपीडो के आकार के होते हैं और अपने आप समुद्र में घूमकर हाईटेक सोनार तकनीक से समुद्र की सतह का नक्शा बनाते हैं। इससे छिपी हुई बारूदी सुरंगों का पता लगाया जाता है।

100 की स्पीड में बस ने पिकअप को उड़ाया, 13 मौत

- **बिहार के कटिहार में हादसा, सड़क पर बिखरी थी लाशें**

कटिहार (एजेंसी)। बिहार के कटिहार में शनिवार देर शाम बस और पिकअप की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग शामिल हैं। मृतकों में 10 महिलाएं, 2 पुरुष और एक बच्ची है। इसमें 11 मृतक पूर्णिया जिले के रहने वाले थे, जबकि दो कटिहार के हैं। हादसे में 32 से ज्यादा घायल हैं। इनमें 8 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा कटिहार के कोढ़ा ब्लॉक में

एनएच-31 पर हुआ। बस से टक्कर के बाद लोगों के शव सड़क पर बिखर गए। चश्मदीद ने बताया कि हादसे के वक्त ड्राइवर ने शराब पी रखी थी। गाड़ी की स्पीड भी 100 से ज्यादा थी। बस ड्राइवर ने पहले एक बाइक को उड़ाया इसके बाद पिकअप से टक्कर हुई। पिकअप सवार सभी झारखंड से मेला देखकर लौट रहे थे। हादसे के बाद सीएम ने मृतकों के परिवार को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार की मदद का ऐलान किया है।

अभी न जाओ छोड़कर... कि दिल अभी भरा नहीं

मशहूर सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन

चेस्ट इंफेक्शन के बाद अस्पताल में भर्ती थीं, अंतिम संस्कार आज

मुंबई (एजेंसी)। सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था। ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के डॉ. प्रतीत समदानी ने न्यूज एजेंसीको बताया कि आशा भोसले को कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर यानी कई अंग फेल होने के कारण उनका निधन हुआ। आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे कल सुबह 11 बजे उनके घर

आ सकते हैं। अंतिम संस्कार कल शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा। 12,000 से ज्यादा गाने गाए आशा भोसले ने अपने करियर में 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'इन आंखों की मस्ती', 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' आज भी लोकप्रिय हैं। आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी।

आशा भोसले के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख

पीएम ने कहा-मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने आशा भोसले के साथ अपनी पुरानी मुलाकात की कई फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की और कहा उनके साथ हुई मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आशा की असाधारण संगीत यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। चाहे उनकी दिल को छू लेने वाली धुनें हों या उनकी जोशीली रचनाएं। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, भारत की सबसे आइकॉनिक और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं बहुत दुखी हूं।

शाह बोले- हर संगीत प्रेमी के लिए दुखद दिन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आशा भोसले के निधन पर दुख जताते हुए एक्स पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, आज हर भारतीय और विशेषकर मेरे जैसे हर संगीत प्रेमी के लिए दुखद दिन है, जब हम सबकी प्रिय आशा भोसले जी हमारे बीच नहीं रहीं।

एमपी का बढ़ा कद, शिवराज सिंह चुनेंगे बिहार का सीएम

- **बीजेपी ने एनडीए विधायक दल का नेता चुनने ऑब्जर्वर बनाया, मुख्यमंत्री रेस में 5 नाम**

भोपाल। बिहार में नई सरकार को लेकर हलचल तेज है। बीजेपी ने विधायक दल के नेता के चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। बिहार के सीएम नीतिश कुमार राज्यसभा सांसद बनने के बाद शपथ ले चुके हैं। अब एनडीए को नए सीएम का ऐलान करना है। 4 बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज को विधायकों की नब्ज समझने का

अनुभव है। बिहार में एनडीए के कई घटक दल हैं। उन्हें जिम्मेदारी दी गई है कि सर्वसम्मति से स्वीकार्य नाम तय कराया जाए। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए बीजेपी ऐसे चेहरे की तलाश में है, जो 'ब्रांड मोदी' के साथ स्थानीय जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साध सके।

एमपी की सवा करोड़ बहनों के खातों में पहुंच गए पैसे

सीएम डॉ.मोहन यादव ने 1836 करोड़ रुपए किए ट्रांसफर

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को सीहोर जिले के आष्टा में आयोजित 'महिला सशक्तिकरण सम्मेलन' में लाड़ली बहना योजना की 33वीं किश्त जारी करते हुए 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में 1836 करोड़ रुपये की राशि

- **सीएम ने कहा-वंदे मातरम में सिर्फ भारत मां की वंदना है**

ट्रांसफर की। इस दौरान उन्होंने करीब 184 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिन प्रदेश की बहनों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार बड़े कदम उठाए जा रहे हैं और आने वाला समय

महिलाओं के लिए और अधिक सशक्त बनाने वाला होगा।

115 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण – मुख्यमंत्री ने आष्टा क्षेत्र में 115 करोड़ 32 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और 69 करोड़ 60 लाख रुपये के कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही आईटीआई स्थापना, कन्या छात्रावास, नाला निर्माण, जावर में शहरी सौंदर्यीकरण, छात्रावास निर्माण, स्कूल भवन, विज्ञान संकाय शुरू करने, बैराज और नहर निर्माण जैसी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं।

सीएम ने कहा-सारा पाप कांग्रेस के माथे आएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय वंदे मातरम के आह्वान पर देश में सभी ने आजादी की लंबी लड़ाई लड़ी। उन्होंने वंदे मातरम कहते-कहते प्राणों की आहूति दे दी। वंदे मातरम से पूरा देश आंदोलित हुआ लेकिन, दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस ने उसमें भी वोट की राजनीति की। कांग्रेस ने पहले वंदे मातरम के टुकड़े कराए, फिर देश के टुकड़े कराए, और अब वंदे मातरम गाने में और भारत माता की जय बोलने में कांग्रेस के लोगों को आपत्ति है। उन्होंने कहा कि देश में हो रही इस घटना के लिए सारा पाप कांग्रेस के माथे आएगा।

'होर्मुज' पर भटके, 'यूरेनियम' में आकर अटके

ईरान-अमेरिका की 21 घंटे चली बातचीत रही बेनतीजा

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले-हमने उन्हें फाइनल ऑफर दिया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही बातचीत बेनतीजा रही। यह 21 घंटे से ज्यादा समय तक चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है। वेंस

- **ईरान बोला- अमेरिका हमारा भरोसा जीतने में नाकाम रहा**

अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लौटने से पहले उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना डील के लौट रहा है। यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु

ईरान ने कहा-अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं

ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि इस दौर की बातचीत में दूसरा पक्ष (अमेरिका) ईरानी प्रतिनिधियों का भरोसा जीतने में नाकाम रहा। गालिबाफ ने कहा कि अमरीका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं। इन्हें मानना ईरान के हित में नहीं था।

हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना। वेंस ने यह भी कहा कि आगे समझौते की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा,हम उन्हें फाइनल ऑफर देकर जा रहे हैं। अब देखना है कि ईरान इसे मानता है या नहीं। वहीं, ईरान ने कहा कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं। इस वजह से समझौते का रास्ता नहीं निकल पाया।

नेतन्याहू बोले- अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। उनका कहना है कि हमले इसलिए किए गए क्योंकि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब था। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा नुकसान पहुंचा है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने कहा कि इस जंग में शामिल न होने का फैसला सही था। उन्होंने ट्रम्प की सोशल मीडिया पोस्ट्स की आलोचना करते हुए कहा कि वे अक्सर भड़काऊ और विवादित होती हैं और कई बार उनका मतलब साफ नहीं होता। स्ट्रीटिंग ने कहा- अब हम यह समझ चुके हैं कि ट्रम्प को उनके कहे से नहीं, बल्कि उनके काम से आंकना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पूरे विवाद का हल सिर्फ बातचीत से ही निकल सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा समझौता होना चाहिए जिससे ईरान के लिए परमाणु हथियार बनाना पूरी तरह असंभव हो जाए।

हेडगेवार ने एकता और आजादी के लिए आरएसएस बनाया था

- **भागवत बोले-हिंदू समाज में एकता की कमी, ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह**

निजामाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था। भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे।

बांग्लादेश में दलित हिंदू पर हमला, ममता बनर्जी पर वार

बंगाल चुनाव के मैदान से सीएम योगी की यूपी पर नजर

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के मैदान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धमाकेदार एंट्री मारी है। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। सीएम योगी ने इस मामले में पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार की चुप्पी पर भी सवाल खड़े किए। मुस्लिम तुष्टिकरण की बात कर उन्होंने पूरे विपक्ष को घेर लिया है। सीएम योगी ने शनिवार को लखीमपुर खीरी में बांग्लादेश से विस्थापित हुए हिंदू परिवारों को जमीन का मालिकाना हक देने संबंधित कागजात वितरण के बाद बंगाल के रण में इस मुद्दे को छेड़ा। लखीमपुर खीरी में कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने रविंद्रनगर ग्राम की घोषणा की थी। सीएम योगी ने मियांपुर का नाम बदलकर रविंद्रनगर किए जाने को गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर से जोड़ा। अब वे पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरकर सीधे तौर पर सीएम ममता बनर्जी को निशाने पर लेते दिख रहे हैं। सीएम योगी उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चावन को लेकर भी जमीन तैयार कर रहे हैं। हिंदुओं और दलितों के खिलाफ हो रहे अत्याचार के मामलों में विपक्ष की चुप्पी के मसले को वे जोरदार तरीके से उठा रहे हैं। इसके जरिए वह मुस्लिम तुष्टिकरण की बात करते दिख रहे हैं। ऐसे में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का वर्णन उत्तर प्रदेश के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ रविवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के तहत बांकुरा के रण में भाजपा उम्मीदवार के लिए वोट मांगा। साथ ही, बांकुरा से पूरे पश्चिम बंगाल को बदलाव का संदेश देते दिखे। बांकुरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ ही दिन पहले बांग्लादेश में एक दलित हिंदू की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हमने इसका विरोध किया, लेकिन बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी चुप रहीं। सीएम योगी ने इसका कारण बताते हुए कहा कि वह (ममता बनर्जी) डर गई थीं। उन्हें डर था कि अगर उन्होंने कुछ कहा, तो कहीं वह अपने मुस्लिम वोट न खो दें। मैं आप लोगों से अपील करने आया हूं कि कांग्रेस, वामपंथी और टीएमसी को आने वाली पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत न दें। सीएम ने कहा कि ये लोग (तृणमूल कांग्रेस) प्रदेश में दुर्गा पूजा और नवरात्रि के उत्सवों के दौरान बाधाएं खड़ी करते हैं। अब हमें इसे और स्वीकार नहीं करना चाहिए। हमें इसे बर्दाश्त नहीं करना चाहिए।

सीएम योगी ने यूपी की स्थिति का किया जिक्र

सीएम योगी ने पश्चिम बंगाल के चुनावी मैदान में यूपी की स्थिति का भी जिक्र किया। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में तुष्टीकरण नहीं, बल्कि संतुष्टीकरण है। अब प्रदेश में दंगे नहीं होते। उन्होंने कहा कि यूपी में जितने माफिया थे, सब जहन्नुम की यात्रा पर चले गए। पश्चिम बंगाल की स्थिति पर सीएम ने कहा कि बंगाल की धरती को टीएमसी ने तुष्टीकरण, लूट-खसोट और अराजकता की धरती बना कर रख दिया है। सीएम योगी ने कहा कि टीएमसी और वामपंथ के जितने भी गुंडे हैं, इनका उपचार किसी के पास है तो बीजेपी की डबल इंजन सरकार के पास है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में पश्चिमी विक्षोभ के कारण पिछले दिनों

हल्की वर्षा होने से तापमान में कमी दर्ज की जा रही थी। अब अधिकतम तापमान के साथ ही न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि हो रही है। भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले सप्ताह अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस था। शनिवार को यह बढ़कर 18.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। दिन में आसमान साफ रहने से अधिकतम तापमान 34.7 डिग्री सेल्सियस रहा। शुक्रवार को यह 32.8 डिग्री सेल्सियस था। मंगलवार को इसमें और वृद्धि का पूर्वानुमान है। हवा चलने के कारण दिल्ली में हवा की गुणवत्ता में भी पिछले कई दिनों से सुधार है। शनिवार को भी दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 123 यानी मध्यम श्रेणी में दर्ज हुआ। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार सोनिया विहार की हवा सबसे साफ रही। सुबह एक्यूआइ 49 यानी अच्छी श्रेणी में और शाम के समय 57 यानी संतोषजनक श्रेणी में रहा। वहीं, वजीरपुर सबसे प्रदूषित रहा। यहां सुबह के समय एक्यूआइ 210 यानी खराब श्रेणी में था, लेकिन शाम में इसमें सुधार हुआ और एक्यूआइ 175 यानी मध्यम श्रेणी में पहुंच गया। दिल्ली में चालू 45 प्रदूषण निगरानी स्टेशनों में से किसी में भी औसत एक्यूआइ खराब श्रेणी में नहीं रहा।

छात्र बनेंगे 'पर्यावरण प्रहरी', निजी और सरकारी स्कूलों में लगाएंगे 3.5 लाख पौधे

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्कूलों में

बड़े स्तर पर हरियाली बढ़ाने का अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों को मिलाकर 3.5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें एक लाख पेड़ और 2.5 लाख झाड़ियां शामिल हैं। शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस अभियान को चरणबद्ध तरीके से लागू करें और हर माह पौधारोपण की प्रगति रिपोर्ट भेजें। निदेशालय ने सभी स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाने, ग्रीन पैच बढ़ाने और वायु प्रदूषण कम करने के लिए घास व बेलें लगाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अलावा पोस्टर, पेंटिंग, निबंध, नुक्कड़ नाटक और स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित कर छात्रों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा। शिक्षा विभाग ने 11 अगस्त 2026 को विशेष पौधारोपण दिवस घोषित किया है, जिस दिन अधिकतम पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि सभी स्कूल अगस्त 2026 तक अपने कुल लक्ष्य का 80 प्रतिशत पूरा कर लें। हर स्कूल को न्यूनतम 350 पौधे (100 पेड़ और 250 झाड़ियां) लगाने अनिवार्य किए गए हैं। निदेशालय ने कहा कि प्रमुख, इको-क्लब के शिक्षक और स्टाफ मिलकर पौधों की देखभाल सुनिश्चित करेंगे और छात्रों की भागीदारी से उनकी निगरानी करेंगे। इसके साथ ही पिछले सत्र 2025-26 में लगाए गए पौधों की सर्वाइवल रिपोर्ट भी एक बार जमा करनी होगी। जिला और जोन स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस अभियान की नियमित निगरानी करें और समय-समय पर समेकित रिपोर्ट शिक्षा निदेशालय को भेजें।

सड़कों पर तीन महीने से कचरे का ढेर

एमसीडी एप पर शिकायत का भी नहीं असर

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ जहां राजधानी दिल्ली में स्वच्छता पर जोर देते हुए काम कराए जा रहे हैं। वहीं बदरपुर विधानसभा का एक वार्ड ऐसा है, जहां बीते तीन महीने से कचरे का उठान ही नहीं हो पा रहा है। सड़कों से लेकर गलियों तक में झाड़ू भी नहीं लगती। सड़क से लेकर गली तक में बिखरा ये कचरा नालियों में पहुंचकर उन्हें जाम कर दे रहा है। प्रमुख मार्गों पर कचरों के ढेर सुबह-शाम जाम के साथ ही दुर्घटना की भी वजह बन रहे हैं। एमसीडी अधिकारियों, निगम पार्षद से लेकर एमसीडी 311 एप तक पर शिकायत की गई। पर अब तक लोगों को राहत नहीं मिल पायी है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक आबादी के हिसाब से हरिनगर वार्ड में 70 से 80 सफाई कर्मियों की जरूरत है। पर नजर केवल 10 से 15 ही आते हैं। इसके चलते कई गलियों और सड़कों की नियमित सफाई नहीं हो पाती। नालियां कचरे की वजह से चोक है। इनकी भी सफाई नहीं होती। वार्ड स्थित के ब्लाक सौरभ विहार छठ घाट के नजदीक, एन ब्लाक अमर मार्केट, लव कुश चौक, टंकी रोड, अर्पण विहार, मोड़बंद आदि में सड़क किनारे कचरे के ढेर लगे हैं। लोगों के मुताबिक क्षेत्र में तीन से चार ही कचरा गाड़ी आती है, जबकि 10 से 12 गाड़ियों का कूड़ा रोज निकलता है। जितना कचरा उठता नहीं उसका चार गुना रोज पड़ जाता है।

इसके चलते कई स्थानों पर आधी रोड तक कचरा फैल चुका है। कचरे व इनके पास गोवंशियों के जमावड़े के चलते लोगों को सुबह-शाम जमा झेलना पड़ रहा है। वहीं अंधेरे में गोवंशियों के चलते दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। स्थानीय पार्षद निखिल चपराना से इस पर जवाब मांगा गया लेकिन कोई उत्तर नहीं आया। समस्या पिछले कई महीनों से है। नालियों चोक होने से गलियों में गंदा पानी जमा है। एमसीडी अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है। एप पर भी समस्या बताई गई, पर अब तक निदान कुछ नहीं हो पाया। आधी सड़क तक तो कूड़ा फैला रहता है और आधे में लोग चलते हैं। आफिस व स्कूल जाने-आने के समय इसके चलते बिना वजह जाम लगता है। समय की बर्बादी होती है और तेल अलग जलता है। लोग भी सहयोग करते हैं, पर समय पर कचरे की गाड़ी आती नहीं। जहां आसपास के लोग कचरा फेंक भी रहे हैं, वहां से उठाया भी नहीं जाता। महीनों से पड़े कचरे के चलते भयंकर दुर्गंध रहती है। पैदल चलने वालों को नाक पर रूमाल रखकर निकलना पड़ता है। कई जगहों पर आधी रोड तक कचरा फैला होने से चलने के लिए जगह ही नहीं बचती।

तुझे पानी भी नसीब नहीं होने देंगे...

दिल्ली के वेलकम में बदला लेने के लिए कर दी निर्मम हत्या

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। वेलकम थानाक्षेत्र के झील पार्क में दो युवकों ने एक नाबालिग संग मिलकर युवक की निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने तीनों आरोपितों को पकड़ लिया है। पूछताछ में नाबालिग ने पुलिस को बताया कि मरने से पहले मृतक शमीम ने उनसे मानी मांगा था, लेकिन युवकों ने कहा कि मरने तक तुझे पानी भी नसीब नहीं होने देंगे। चाकू से गोदने के बाद उसके सिर को पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। आरोपितों ने बताया कि मृतक कई दिन से खेल के दौरान उसके साथ मारपीट करता था और विरोध पर अपने भाई से पिटवाने की धौंस जमाता था। डीसीपी उत्तर पूर्वी जिला आशीष मिश्रा ने बताया कि मामले मे वसीम उर्फ मिया, तिलक राज उर राज ओर एक नाबालिग को पकड़ा गया है। शनिवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि नगर निगम उत्तरी जोन कार्यालय के पीछे बने झील पार्क में एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान मोहम्मद शमीम निवासी लकड़ी मार्किट वेलकम के रूप में हुई। वह जींस सिलाई का काम करता था। स्वजन ने पूछताछ में पता चला कि वसीम, तिलक और एक अन्य उसे शुक्रवार रात घूमने के लिए साथ लेकर गए थे। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं था। पुलिस ने सर्विलांस के जरिये तीनों को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार मृतक शमीम और आरोपित वसीम बचपन के दोस्त थे लेकिन शमीम अक्सर वसीम पर रौब जमाता था। खेलने के दौरान भी वह वसीम व अन्य साथियों के साथ हाथापाई भी करता था।

दो दिन पहले वसीम व अन्य दो

आरोपित कॉलोनी में साथ थे तभी शमीम उनके पास आया और रौब झाड़ते हुए वहां से जाने को कहा। न जाने पर वसीम के पेट में लात मार दी थी। पुलिस के अनुसार शमीम कई बार तीनों से मारपीट कर चुका था और अपने बड़े भाई से पिटवाने की धमकी भी देता था। इससे गुस्सा तीनों आरोपितों ने उसकी हत्या की योजना बनाई और झील पार्क ले जाकर उसे मार डाला।

पुलिस पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि पार्क ले जाकर तीनों ने उसे घेरकर जमकर पीटा। बुरी तरह घायल होने के बाद वह पानी मांगने लगा। इस दौरान एक आरोपित ने कहा कि तुझे मरने तक पानी नहीं नसीब होने देंगे। इसके बाद उसपर एक के बाद एक कई वार चाकू से किए। मौत होने पर भी उनका गुस्सा शांत नहीं हुआ और भारी पत्थर मारकर उसका सिर कुचल दिया।

महिलाओं के लिए खुशखबरी, सरकार ने जारी किए 4 लाख से ज्यादा पिंक कार्ड; फ्री बस सेवा का मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में महिलाओं की नि:शुल्क बस यात्रा के लिए चाल लाख से अधिक पिंक कार्ड जारी हुए हैं। पहले पिंक कार्ड बनाने के लिए 50 केंद्र निर्धारित किए गए थे। अब इनकी संख्या बढ़ाकर 58 कर दी गई है। इन केंद्रों पर प्रतिदिन 10 हजार निर्धारित की जगह अब लगभग 12,500 कार्ड बनाए जा रहे हैं। तीन मार्च से पिंक कार्ड बनाने की शुरुआत हुई थी। अभी पिंक कार्ड नहीं बनाने वाली महिलाओं को भी बस में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा दी जा रही है। डीटीसी ने 31 मई तक दिल्ली की सभी महिलाओं के पिंक कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा है। दिल्ली में 'सहेली पिंक कार्ड' बनवाने की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए क्यूआर कोड आधारित डिजिटल ऑनबोर्डिंग की सुविधा शुरू की गई है। इस व्यवस्था के तहत महिलाएं अपने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर घर बैठे रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर सकती हैं। इसमें सबसे पहले मोबाइल नंबर का ओटीपी वेरिफिकेशन किया जाता है, इसके बाद आधार ओटीपी के जरिए पहचान सत्यापित होती है। बताया कि पूरी प्रक्रिया डिजिटल होने से लंबी लाइनों में लगने व दस्तावेजों की बार-बार जांच जैसी दिक्कतों से राहत मिलती है। रजिस्ट्रेशन पूरा होने के बाद एक कन्फर्मेशन क्यूआर जनरेट होता है, जिसे नजदीकी पिंक कार्ड जारी करने वाले केंद्र पर दिखाकर आसानी से कार्ड प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही कार्ड का दुरुपयोग रोकने के लिए एक ही बस में एक घंटे के भीतर एक ही कार्ड से दोबारा टिकट जनरेट करने पर रोक लगाई गई है। जबकि बसों में यात्रा के दौरान पास के उपयोग को लेकर महिलाओं में यह गलत-फहमी पनप रही है कि एक बार बस से उतरने के बाद उन्हें दूसरी बस में चढ़ने के लिए भी एक घंटे का इंतजार करना पड़ेगा। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के उप महाप्रबंधक (पीआर) अमन देव छिकारा ने इस पर स्पष्ट किया कि यह धारणा पूरी तरह गलत है।

दिल्ली में हाई-रिटर्न के झांसे में 10 लाख की ठगी, 'म्यूल अकाउंट' गैंग का पर्दाफाश

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में गारंटीड हाई-रिटर्न और का लालच देकर 10 लाख रुपये की ठगी करने वाले एक संगठित साइबर गैंग का शाहदरा जिले की पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपितों, सुमित, संदीप और कमल कुमार को रोहिणी इलाके से दबोचा है। आरोपितों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन, डेबिट कार्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। डीसीपी शाहदरा आरपी मीणा के अनुसार, यह गिरोह सीधे ठगी करने के बजाय 'म्यूल बैंक अकाउंट' यानी किराए के बैंक खाते उपलब्ध कराता था, जिनके जरिए ठगी की रकम को इधर-उधर घुमाकर असली मास्टरमाइंड की पहचान छिपाई जाती थी। शाहदरा के सुभाष पार्क निवासी अमित कुमार जैन ने दो फरवरी को साइबर थाने में शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में वे एक वॉट्सएप ग्रुप के जरिए कुछ लोगों के संपर्क में आए, जो खुद को शेयर बाजार के एक्सपर्ट बताते थे। आरोपितों ने उन्हें कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का भरोसा दिलाया और

हाई-रिटर्न के नाम पर निवेश के लिए उकसाया। झांसे में आकर अमित ने अलग-अलग किश्तों में कुल 10 लाख रुपये बताए गए खातों में ट्रांसफर कर दिए। कुछ समय तक फर्जी ऐप और मैसेज के जरिए उन्हें मुनाफा दिखाया जाता रहा, लेकिन जब उन्होंने पैसे निकालने की कोशिश की तो आरोपितों ने उन्हें ब्लॉक कर दिया। डीसीपी शाहदरा मीणा ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद साइबर पुलिस ने ट्रांजैक्शन की तकनीकी जांच शुरू की। जांच में पता चला कि ठगी की रकम रोहिणी से संचालित इंडियन ओवरसीज बैंक के एक खाते में भेजी गई थी। इसके बाद पुलिस टीम ने रोहिणी के विजय विहार फेज-2 स्थित गोपाल विहार में छापेमारी कर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे विभिन्न लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाते या किराए पर लेते थे और इन्हें साइबर ठगों को उपलब्ध कराते थे। इसके बदले उन्हें कमीशन मिलता था। इन खातों के जरिए ठगी की रकम को कई लेयर में ट्रांसफर कर ट्रैकिंग मुश्किल बनाई जाती थी। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपितों और मुख्य साजिशकर्ताओं की तलाश कर रही है।

दिल्ली एम्स में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी में कीमोथेरेपी बंद, एम्स ने बताई वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली का स्पष्ट कहना है कि कीमोथेरेपी मेडिकल आंकोलाजी का कार्यक्षेत्र है, रेडिएशन आंकोलाजी का नहीं। एम्स जनसंपर्क कार्यालय से मिली अधिकारिक जानकारी के अनुसार इस कारण ही रेडिएशन आंकोलाजी में हो रही कीमोथेरेपी को एम्स निदेशक के आदेश से तीन वर्ष पहले बंद करा दिया गया। इसके बाद एम्स प्रबंधन ने फरवरी 2023 के आदेश के बाद यह जिम्मेदारी पूरी तरह मेडिकल आंकोलाजी को सौंप दी है। हालांकि, इस फैसले को लेकर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एम्स प्रबंधन ने इस बात का कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है कि जब कीमोथेरेपी मेडिकल आंकोलाजी का ही कार्यक्षेत्र है, तो पिछले करीब 50 वर्षों से रेडिएशन आंकोलाजी विभाग में कीमोथेरेपी कैसे और क्यों दी जा रही थी। और इस गलत व्यवस्था को किसके कहने पर आरंभ किया गया, उन पर क्या कार्रवाई की गई। एम्स प्रबंधन की चुप्पी इस सवाल पर भी बनी हुई है कि जब कीमोथेरेपी रेडिएशन आंकोलाजी का कार्य नहीं है तो देश के अन्य एम्स और बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थानों में रेडिएशन आंकोलाजी विभाग में कीमोथेरेपी कैसे और क्यों दी जा रही है। अन्य एम्स ने दिल्ली एम्स का अनुशरण क्यों नहीं किया या क्यों नहीं कर रहे। यह नहीं चंडीगढ़ पीजीआइ, लखनऊ एसजीपीजीआई, सहित देश के अधिकांश मेडिकल कॉलेजों में रेडिएशन आंकोलाजी में कीमोथेरेपी देने की व्यवस्था लंबे समय से बनी हुई है। ऐसे में एम्स नई दिल्ली के इस फैसले को लेकर सवाल गहरे हो गए हैं। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि इस बदलाव के बाद उन्हें न सिर्फ अतिरिक्त भागदौड़ करनी पड़ रही है, बल्कि कई मामलों में मजबूर होकर निजी संस्थानों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे उन पर आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है।

रेडिएशन आंकोलाजी हर साल होती थी करीब 6000 कीमोथेरेपी: एम्स से मिली जानकारी के अनुसार इस निर्णय के चलते हर साल रेडिएशन आंकोलाजी में होने वाली करीब 6000 कीमोथेरेपी प्रभावित हुई हैं। इसका सीधा असर मरीजों पर पड़ा है, जिन्हें अब इलाज के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। मेडिकल आंकोलाजी विभाग में पहले से ही मरीजों का भारी दबाव होने के कारण लंबी प्रतीक्षा सूची बन गई है, जिससे इलाज शुरू होने में देरी हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार यह स्थिति कैंसर के उपचार के लिए घातक है।

दिल्ली के नंद नगरी में ई-रिक्शा सवार महिला से झपटमारी

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में दिनदहाड़े झपटमारी की वारदात में एक महिला घायल हो गई। ई-रिक्शा में अपने बेटे के साथ घर लौट रही महिला से बाइक सवार दो झपटमारों ने मोबाइल फोन और पर्स झपट लिया। विरोध करने पर महिला चलते ई-रिक्शा से नीचे गिर गई, जिससे उसे चोटें आईं। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों झपटमार मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की पहचान रजनी शर्मा के रूप में हुई है, जो गृहिणी हैं और गाजियाबाद के इंद्रप्रस्थ मोड़ इलाके में परिवार के साथ किराए के मकान में रहती हैं। रजनी अपने बेटे को दिलशाद गार्डन स्थित एक स्कूल से लेकर ई-रिक्शा से घर लौट रही थीं। जब ई-रिक्शा नंद नगरी के 212 बस स्टैंड से करीब 100 मीटर आगे पहुंचा, तभी पीछे से बाइक पर सवार दो युवक आए और अचानक झपट्टा मारकर महिला के हाथ से मोबाइल फोन और पर्स छीन लिया। पर्स में करीब 500 रुपये नकद और घर की चाबियां थीं। अपने सामान को बचाने के लिए रजनी ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपितों को पकड़ने की कोशिश की,

लेकिन खींचतान के दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह चलती ई-रिक्शा से सड़क पर गिर पड़ीं। गिरने से उन्हें चोटें आईं। घटना के बाद राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पीसीआर वैन ने घायल महिला को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे सी गई। अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

डीयू में फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी की मिलेगी अपनी हाईटेक बिल्डिंग, अक्टूबर से चालू होगी कक्षाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। विश्वविद्यालय में पहली बार फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी के लिए आठ मंजिला अत्याधुनिक भवन तैयार किया जा रहा है, जहां आधुनिक तकनीकी शिक्षा के अनुरूप विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह भवन न केवल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए नई पहचान बनेगा, बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाई भी देगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने लक्ष्य रखा है कि अक्टूबर माह तक इस भवन में शैक्षणिक गतिविधियां शुरू कर दी जाएं। इस अत्याधुनिक भवन में कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलाजी और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। भवन में 1200 से अधिक छात्रों के अध्ययन और बैठने की व्यवस्था होगी। यहां प्रवेश प्रक्रिया जेईई मेन्स के आधार पर होगी, जिससे देशभर के मेधावी छात्रों को प्रवेश का अवसर मिलेगा। अभी इन कोर्स की कक्षाएं डीयू के ही गड़ाद भवन में चल रही है।

नई बिल्डिंग को पूरी तरह हाईटेक बनाया जा रहा है। इसमें स्मार्ट क्लासरूम होंगे, जहां डिजिटल बोर्ड, प्रोजेक्टर, आटोमेटेड लेक्चर रिकार्डिंग सिस्टम और इंटरएक्टिव टीचिंग टूल्स लगाए जाएंगे। छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी, जिनमें रोबोटिक्स लैब, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब, मशीन लर्निंग लैब, इंटरनेट आफ थिंग्स लैब, इलेक्ट्रानिक्स डिजाइन लैब और एडवांस कंप्यूटिंग सेंटर शामिल हो सकते हैं।

क्या सुविधाएं होंगी?

भवन में हाई-स्पीड इंटरनेट, वाई-फाई कैंपस, डिजिटल लाइब्रेरी, इनोवेशन एवं रिसर्च सेंटर, स्टार्टअप इनक्यूबेशन हब तथा इंडस्ट्री-कोलैबोरेशन सेंटर जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इससे छात्र पढ़ाई के साथ रिसर्च, इनोवेशन और स्टार्टअप की दिशा में भी काम कर सकेंगे। फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. संजीव सिंह ने बताया कि भवन के शुरू होने के साथ ही नए शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया भी प्रारंभ होगी। हालांकि विभाग के पास पहले से ही प्रशिक्षित और उच्च योग्यताधारी शिक्षक उपलब्ध हैं। जिनमें अमेजन जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा छात्रों के लिए एक समर्पित प्लेसमेंट सेल बनाई जाएगी, जो इंटर्नशिप और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएगी। प्रो. संजीव सिंह के अनुसार यह परियोजना कुलगुरु प्रो. योगेश सिंह का ड्रीम प्रोजेक्ट है। उन्होंने बताया कि कुलगुरि ने डीयू आने के बाद महसूस किया कि तकनीकी शिक्षा के लिए अलग और आधुनिक भवन होना चाहिए, जिसके बाद इस परियोजना की नींव रखी गई। भवन शुरू होने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश के प्रमुख संस्थानों की श्रेणी में शामिल हो सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त संचालक तृप्ति त्रिपाठी ने आंगनवाड़ियों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बैतूल (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग नर्मदापुरम संभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी ने गुरुवार को बैतूल जिले के भीमपुर विकासखंड में आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं परियोजना कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम नांदा, पलासपानी, इमलीढाना और ग्वाडीढाना स्थित आंगनवाड़ी केन्द्रों का दौरा कर वहां संचालित गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों का अवलोकन करते हुए उन्होंने उपस्थित महिलाओं को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। संयुक्त संचालक श्रीमती त्रिपाठी ने आंगनवाड़ी केन्द्रों में संचालित ईसीसीई प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा गतिविधियों की भी समीक्षा की और बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने बाल विकास परियोजना कार्यालय भीमपुर में पर्यवेक्षकों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में पोषण पखवाड़ा के प्रभावी आयोजन, योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति, पोषण ट्रैकर में हितग्राहियों के पंजीयन, आधार एवं आभा आईडी के सत्यापन के निर्देश दिए। उन्होंने कुपोषित बच्चों को एनआरसी भीमपुर में भर्ती कराने तथा सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों को 30 अप्रैल 2026 तक 'सक्षम आंगनवाड़ी 'के रूप में विकसित करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने किया जिला कोषालय का औचक निरीक्षण

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित जिला कोषालय के स्ट्रांग रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कोषालय के डबल लॉक की व्यवस्थाएं देखी। निरीक्षण के दौरान जिला कोषालय अधिकारी श्री रूमसिंह डुडवे तथा सहायक कोषालय अधिकारी श्री बृजेश चौरे सहित कोषालय के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने किया जिला कोषालय का औचक निरीक्षण

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित जिला कोषालय के स्ट्रांग रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कोषालय के डबल लॉक की व्यवस्थाएं देखी। निरीक्षण के दौरान जिला कोषालय अधिकारी श्री रूमसिंह डुडवे तथा सहायक कोषालय अधिकारी श्री बृजेश चौरे सहित कोषालय के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 4314 बालिकाओं का किया टीकाकरण

हरदा (निप्र)। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए शुक्रवार 10 अप्रैल तक जिले में कुल 4314 बालिकाओं को टीकाकरण किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि हरदा में 620, टिमरनी में 826, खिरकिया में 841, सिराली में 494, रहटगांव में 525, हंडिया में 1008 बालिकाओं का टीकाकरण किया जा चुका है। इस प्रकार जिले में कुल 6715 के लक्ष्य विरूद्ध 4314 कुल 64.24 प्रतिशत बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण किया गया। डॉ. सिंह ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर ह्यूमन पैपिलोमा वायरस एचपीवी से होता है। एचपीवी टीका एक सुरक्षित और प्रभावी टीका है जो कैंसर से बचाने में मदद करता है। यह टीका जिला चिकित्सालय हरदा तथा टिमरनी, सिराली, खिरकिया व हंडिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा रहटगांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में निःशुल्क लगाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि ऐसी बालिकाऐं जिनकी आयु 14 वर्ष तथा 15 वर्ष 3 माह तक की है वे अपनी बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण अवश्य करवाएं एवं बेटियों का भविष्य सुरक्षित बनाएं।

जिले के सभी 240 उपार्जन केंद्रों पर उत्साह के साथ शुरू हुई गेहूं की खरीदी

535 किसानों से खरीदा गया 2247 मीट्रिक टन गेहूं

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले के सभी 240 उपार्जन केंद्रों पर समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य उत्साह और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ प्रारंभ हो गया है। इस अवसर पर सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों का सम्मान किया गया और तौल कांटों का पूजन किया गया। जिला उपार्जन प्रभारी श्री आकाश चंदेल ने बताया कि 10 अप्रैल को शाम 05 बजे तक जिले के सभी उपार्जन केंद्रों पर 535 किसानों से 2247 मेट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई। इसके साथ ही अभी तक जिले के कुल 19,339 किसानों ने स्लॉट बुक किया है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए छाया, पेयजल, बैठने की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया जा रहा है।

आयुष विभाग द्वारा शिविर लगाकर मनाया गया विश्व होम्योपैथी दिवस

हरदा (निप्र)। होम्यापैथी के जनक हैनीमैन के जन्मदिवस के अवसर पर हैनीमैन जयंती पर प्रतिवर्ष विश्व होम्योपैथिक दिवस मनाया जाता है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. अनिल वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर शुक्रवार को आयुष विभाग हरदा अंतर्गत होम्योपैथिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर चारखेड़ा एवं गहाल द्वारा मध्यप्रदेश शासन के निर्देश अनुसार निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे आसपास के ग्रामो से लगभग 308 मरीजों का स्वास्थ्थ्य परीक्षण कर दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर का शुभारम्भ ग्राम सरपंच एवं अन्य अतिथियो की उपस्थिति किया गया।

टीकाकरण ही सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय: विधायक डॉ पंडाग्रे

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारणी की छात्राओं को लगाई एचपीवी वैक्सीन

बैतूल (निप्र)। बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सारणी एवं शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय सारणी में शुक्रवार को निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाए जा रहे राष्ट्रीय प्रयासों के अंतर्गत संचालित है, जिसका उद्देश्य 14 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के संभावित लक्षण, इसके खतरे एवं एचपीवी टीकाकरण के महत्व के बारे में विस्तृत एवं सरल भाषा में जानकारी दी। उन्होंने बालिकाओं को जागरूक करते हुए कहा कि समय पर टीकाकरण ही इस गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। विधायक डॉ. पंडाग्रे ने कहा कि यह अभियान महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए एक ' संजीवनी 'सिद्ध होगा और भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के मामलों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अपनी 14 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं को इस निःशुल्क टीकाकरण अभियान का लाभ दिलाकर उन्हें एक सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य प्रदान करें। कार्यक्रम के दौरान नपा अध्यक्ष किशोर बरदें, राजेश आहूजा, गोलू राजपूत, सुभाष चंद्रा सहित जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले में बाल भिक्षावृत्ति रोकने हेतु विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने विदिशा शहर के हॉटस्पॉट क्षेत्रों का चिन्हांकन कर भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को शिक्षा से जोड़ने तथा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से संबंधित परिवारों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जतरापुरा क्षेत्र में अधिक संख्या में ऐसे बच्चे पाए जाने पर उनके स्कूल में प्रवेश सुनिश्चित करने एवं शिक्षा विभाग द्वारा सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही उक्त क्षेत्रों में सड़क, बिजली एवं पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भिक्षावृत्ति करते पाए जाने वाले बच्चों का रेस्क्यू कर उन्हें छात्रावास में रखा जाए तथा उनके पुनर्वास हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बाल कल्याण समिति में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा दत्तक ग्रहण (एडॉप्शन) हेतु पात्र बच्चों के संबंध में समयबद्ध कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, संप्रेक्षण गृह से कुछ दिन पूर्व भागी हुई दो बालिकाओं की घटना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर महोदय ने सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, नियमित निगरानी बढ़ाने एवं भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। इस लापरवाही के लिए ड्यूटी के दौरान उपस्थित हाउस मास्टर, चौकीदार एवं पुलिस आरक्षक की सेवा समाप्त करने के निर्देश भी दिए। बैठक में समिति अंतर्गत संचालित विभिन्न संस्थाओं जैसे किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति, शिशु गृह, संप्रेक्षण गृह, वन स्टॉप सेंटर एवं चाइल्ड लाइन की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा बाल कल्याण समिति, संप्रेक्षण गृह, शिशु गृह एवं स्पॉन्सरशिप योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री रोहित कासवनी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओपी सनोडिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसबा, सहायक संचालक श्री विवेक शर्मा सहित बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री रामबाबू प्रजापति एवं सदस्यगण चंद्रभान सिंह बघेल, श्रीमती सुनीता दांगी, श्रीमती लक्ष्मी शर्मा, श्री दीवान सिंह मीना उपस्थित रहे। किशोर न्याय बोर्ड से श्री प्रेम सिंह धाकड़, वन स्टॉप सेंटर प्रभारी श्रीमती कृतिका व्यास एवं संप्रेक्षण गृह अधीक्षक श्रीमती आकांक्षा मरावी भी बैठक में शामिल हुए। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, RPF, SJPU सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना अंतर्गत प्रशिक्षु कु. दिव्यांशी कुशवाह ने भोपाल में शुरू किया स्वरोजगार

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना अंतर्गत भावना मेकअप स्टूडियो, गुलाबगंज से प्रशिक्षण प्राप्त कर कु. दिव्यांशी कुशवाह ने सफलता की नई मिसाल प्रस्तुत की है। उन्होंने ने बी कॉम कोर्स की शिक्षा प्राप्त की है। ब्यूटी एवं वेलनेस में रुचि होने के कारण उन्होंने मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में ब्यूटीशियन कोर्स में अप्लाई किया। भावना मेकअप स्टूडियों, गुलाबगंज में उन्हें अपनी रुचि से संबंधित प्रशिक्षण कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। वर्तमान में उन्होंने दिव्या ब्यूटी लाउंज नाम से खुद का ब्यूटी पार्लर भोपाल के बरखेड़ा पठानी में चालू किया है, जिससे उन्हें प्रतिदिन 1200-1500 रुपए की आय हो रही है। इस आय से वे आपनी व्यक्तिगत खर्चों का वहन करने के साथ-साथ MBA की पढ़ाई व परिवार की आर्थिक सहायता भी कर रही हैं। कु. दिव्यांशी कुशवाह ने अपनी सफलता का श्रेय कौशल विकास विभाग, मध्यप्रदेश को दिया है। उन्होंने विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना अंतर्गत प्राप्त प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के कारण ही उन्हें स्वरोजगार का यह अवसर मिला। यह उपलब्धि अन्य युवाओं युवतियों के लिए भी प्रेरणादायक है, जो तकनीकी शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होना चाह रहे हैं।

भैरूंदा के शासकीय संदीपनी स्कूल में आधार अपडेशन शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग द्वारा संचालित 'विद्यार्थियों के लिए आधार अब विद्यालय के द्वार' अभियान के अंतर्गत भैरूंदा के शासकीय सांदीपनि विद्यालय में आधार अपडेशन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 40 विद्यार्थियों का आधार अपडेट किया गया। कैंप प्रभारी श्रीमती राधिका भावरेटा ने बताया कि विद्यालय स्तर पर इस प्रकार के शिविर आयोजित करने से विद्यार्थियों को समय पर आधार अपडेट की सुविधा मिल रही है, जिससे उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों के आधार को समय-समय पर अपडेट कराते रहें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अतिथि शिक्षक भोपाल मे करेंगे शक्ति प्रदर्शन

भोपाल। संयुक्त मोर्चा अतिथि शिक्षक संघ, मध्य प्रदेश के बैनर तले अशोका गार्डन स्थित राज धाकड़ कोचिंग क्लासेस में प्रदेश स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर से आए अतिथि शिक्षकों ने भाग लिया और अपनी समस्याओं एवं मांगों पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में चार प्रमुख संगठनों – आजाद अतिथि शिक्षक संघ, क्क्रस्न से मान्यता प्राप्त अतिथि शिक्षक संघ, अतिथि शिक्षक संघ समन्वय समिति तथा संयुक्त अतिथि शिक्षक संघ – के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से भागीदारी की। सभी संगठनों ने एकजुट होकर अतिथि शिक्षकों के अधिकारों के लिए संघर्ष तेज करने का निर्णय लिया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 27 अप्रैल से 30 अप्रैल के मध्य मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक भव्य एवं विशाल आंदोलन आयोजित किया जाएगा। इस आंदोलन के माध्यम से अतिथि शिक्षक अपनी लंबित मांगों, नियमितीकरण, वेतन विसंगतियों एवं सेवा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को जोर-शोर से उठाएंगे। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आंदोलन प्रदेश के हजारों अतिथि शिक्षकों की आवाज बनेगा और सरकार तक उनकी मांगों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का कार्य करेगा। उन्होंने सभी अतिथि शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में आंदोलन में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की।

बैठक का समापन संगठन की एकजुटता और संघर्ष के संकल्प के साथ हुआ -बैठक मे आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष के. सी. पवार समन्वयक रामचंद्र नागर समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील परिहार मध्यप्रदेश अतिथि शिक्षक संघ के तूफान शर्मा प्रदेश कार्यकारिणी बी. ?म. खान प्रदेश कार्यालय प्रभारी पुष्कर सिंगरौली प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र नागर जिलाध्यक्ष जगदीश दांगी संभाग अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा प्रदेश महामंत्री अरुण गिरी गोस्वामी शिवशंकर ढोल्या जगन्नाथ अवस्थी निलेश सोनी महिला प्रकोष्ठ की राजकुमारी रजक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बीयू के स्वयंसेवक बीरबल परमार 'माय भारत बजट क्वेस्ट 2026' के फाइनल में चयनित

भोपाल। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी की राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्स्) यूटीडी यूआईटी इकाई के स्वयंसेवक एवं कैंपस एम्बेसडर बीरबल परमार का चयन प्रतिष्ठित 'माय भारत बजट क्वेस्ट 2026' के फाइनल राउंड के लिए हुआ है। यह विश्वविद्यालय एवं प्रदेश के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

इस उपलब्धि के साथ बीरबल परमार को देश के माननीय प्रधानमंत्री ह्इह्द्धठुस्त्रह्इ रूक्षस्त्रद्ध के साथ राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित वर्चुअल संवाद में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत प्रतिस्पर्धी रही, जिसमें देशभर से 12 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

ऐसे में बीरबल परमार ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, तीव्र विश्लेषण क्षमता और बजट विषयों की गहन समझ के आधार पर अंतिम चरण में स्थान बनाते हुए अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की।

'माय भारत बजट क्वेस्ट 2026' का उद्देश्य केंद्रीय बजट को आम नागरिकों के लिए सरल, सुलभ और प्रासंगिक बनाना है। इस पहल के माध्यम से युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि वे देश की आर्थिक नीतियों को समझते हुए अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

इस प्रतियोगिता का फाइनल राउंड 12 एवं 13 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें चयनित प्रतिभागियों को आर्थिक नीतियों पर अपने विचार रखने के साथ-साथ प्रधानमंत्री से सीधे संवाद का अवसर मिलेगा।

बीरबल परमार की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, वरिष्ठजनों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना परिवार, क्ष्हुह्म्इुह्लह्वद्यद्यइुद्ध ठुद्ध1द्दह्ल्यद्वह्ल4 के सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे आगे भी इसी प्रकार सफलता प्राप्त कर विश्वविद्यालय और मध्य प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करते रहेंगे।

अखिल भारतीय कायस्थ समाज की डमातृशक्तिड ने मां नर्मदा के चित्रगुप्त घाट पर चलाया वृहद स्वच्छता अभियान

नर्मदापुरम । भीषण गर्मी में भी नहीं डगमगाया संकल्प नर्मदापुरम। नर्मदा की पावन धरा को स्वच्छ और सुंदर बनाने के संकल्प के साथ अखिल भारतीय कायस्थ समाज की मातृशक्ति और पदाधिकारियों द्वारा स्थानीय चित्रगुप्त घाट पर एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी की परवाह किए बिना समाज के सदस्यों ने न केवल घाट की सफाई की, बल्कि वहां बिखरे कचरे को चुनकर डस्टबिन के हवाले भी किया।

प्रमुख सहभागित-इस पुनीत कार्य में कायस्थ समाज के जिला और स्थानीय स्तर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से-

डॉक्टर दिव्य प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष-राजेंद्र श्रीवास्तव
नगर पालिका उपाध्यक्ष- अभय वर्मा
मातृशक्ति अध्यक्ष-ज्योति वर्मा

साथ ही-केशव देव वर्मा, सी.बी. खरे, लालता प्रसाद, आदित्य, विजय वर्मा, मनोज वर्मा, मंजू श्रीवास्तव, प्रीति खरे, ममता तिवारी, नेहा श्रीवास्तव, अदिति वर्मा, अनीति वर्मा, रितु श्रीवास्तव और रश्मि वर्मा सहित समाज के अनेक उत्साही कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नर्मदा सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य राजेंद्र श्रीवास्तव-अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं का उत्साह ब?ाते हुए अध्यक्ष राजेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि मां नर्मदा हम सभी की जीवनदायिनी हैं।

डॉ. अंबेडकर की जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न

कार्यक्रम में डॉ. अंबेडकर के जीवन, विचारों और योगदान के बारे में जानकारी दी गई

हरदा (निप्र)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में 14 अप्रैल तक जिला एवं विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इन कार्यक्रमों में डॉ. अंबेडकर के जीवन, विचारों, देश एवं लोकतंत्र के लिए उनके योगदान तथा संविधान निर्माण में उनकी महती भूमिका के बारे में बताया जाएगा। इसी क्रम में शुक्रवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, विधायक हरदा डॉ. आर.के. दोगने, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गेहलोत, जिला पंचायत सदस्य श्री ललित पटेल व श्री कमलेश सेजकर, जिला पंचायत के अतिरिक्त कार्यपालन अधिकारी श्री प्रवीण इवने सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में प्राचार्य शासकीय सांदिपनी विद्यालय करताना श्री पी.सी. दांदरे एवं सहायक प्रध्यापक, आदर्श महाविद्यालय श्री संतोष कुमार राठौर ने प्रवक्ता के रूप डॉ. अंबेडकर के जीवन, विचारों, देश एवं लोकतंत्र के लिए उनके योगदान तथा संविधान निर्माण में उनकी महती भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, विधिक सेवा प्राधिकरण, पशुपालन विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग की जनकल्याणकारी एवं हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी दी गई।

सीएमएचओ डॉ. एच.पी. सिंह ने उपस्थित जनों को सर्वाइकल कैंसर एवं एचपीवी वैक्सीन की जानकारी दी। उन्होने उपस्थित लोगों को 14 से 15 वर्ष तक बालिकाओं को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में हरदा विधायक डॉ. दोगने ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती की शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि शासन द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों से सम्पर्क कर शासन की इन योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त कर योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर का उद्देश्य था कि समाज का हर वर्ग शिक्षित हो, हमें उनके इस उद्देश्य को पूरा करना है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह ने कहा कि आज हम ऐसे महापुरुष की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हुए है जिन्हें देश के संविधान निर्माता कहा जाता है। उन्होने सभी को डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती की शुभकामनाएं और बधाई दी। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गहलोत, जिला पंचायत सदस्य श्री कमलेश सेजकर व श्री ललित पटेल ने भी सभी को अम्बेडकर जी की जयंती की शुभकामनाएं दी।

संपादकीय

मणिपुर में हिंसा की चिंगारी, कानून व्यवस्था पर सवाल

मणिपुर में कुछ दिनों की शांति के बाद फिर से हिंसक घटनाएं सिर उठाने लगी हैं। बिष्णुपुर इलाके में मंगलवार सुबह हुए हमले में दो बच्चों की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय सुरक्षाबल सीआरपीएफ की एक चौकी को घेरने की कोशिश की गई और गोलीबारी में दो लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद आसपास के इलाकों में भी तनाव बढ़ गया है। सवाल है कि सुरक्षा एजंसियों ने समय रहते स्थिति को संभालने का प्रयास क्यों नहीं किया ?प्रदर्शनकारियों की ओर से चौकी पर धावा बोलने की कोशिश से पहले ही उन्हें भरोसे में लेकर माहौल शांत करने को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई? शांति भंग करने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी किसकी है? शासन-प्रशासन को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि असामाजिक तत्त्वों को किसी भी सूरत में ढील न दी जाए, ताकि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह कायम रहे।गौरतलब है कि राज्य में मैतेई और कुकी-जो समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण बड़ी संख्या में लोगों ने विस्थापन की पीड़ा सही है और सैकड़ों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। यही कारण है कि राज्य सरकार की प्रशासनिक और राजनीतिक विफलता पर भी सवाल उठते रहे हैं। बिष्णुपुर की घटना के उपरांत हुई आगजनी और हिंसा के बाद राज्य के पांच जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। मगर सरकार के इस कदम से हालात कितने दिन तक नियंत्रण में रहेंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता ।हालांकि इस घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजंसी को सौंप दी गई है, लेकिन सवाल है कि एक घर पर हमला करने के आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं की गई, जिस कारण लोगों का गुस्सा भड़क गया। इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि राज्य में दो समुदायों के बीच मतभेदों की जो खाई पैदा हुई है, उसे पाटने और स्थायी समाधान निकालने के लिए संवेदनशील तरीके से निरंतर प्रयासों की जरूरत है। दोनों समुदायों के बीच विश्वास बहाली के बिना दीर्घकालिक शांति का मार्ग प्रशस्त नहीं पाएगा।

असम, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में इस बार जबरदस्त मतदान ने लोकतंत्र की मजबूती का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। लगभग 80 प्रतिशत के औसत मतदान ने यह संकेत दिया है कि जनता न केवल राजनीतिक रूप से जागरूक है, बल्कि अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इतना ही नहीं, इस भारी मतदान ने राजनीतिक दलों की धड़कनें भी तेज कर दी हैं, क्योंकि हर दल इसे अपने पक्ष में जनसमर्थन के रूप में देख रहा है। हालांकि इस बंपर मतदान के वास्तविक मायने क्या हैं, यह समझने के लिए तीनों राज्यों का अलग अलग विश्लेषण जरूरी है।

तीन राज्यों में बंपर वोटिंग ने क्या संदेश दिया?

(नीरज कुमार दुबे)

सबसे पहले बात असम की करें तो यहां का मतदान प्रतिशत न केवल पिछले चुनावों से अधिक रहा बल्कि कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। कुल 126 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पहले के चुनावों के मुकाबले अधिक है।

असम चुनाव- सबसे पहले बात असम की करें तो यहां का मतदान प्रतिशत न केवल पिछले चुनावों से अधिक रहा बल्कि कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया। कुल 126 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पहले के चुनावों के मुकाबले अधिक है। खास बात यह रही कि सोलह निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान नब्बे प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। दलगांव में तो मतदान लगभग 95 प्रतिशत के करीब रहा, जो राज्य में सबसे अधिक है।असम में चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से दो ध्रुवों के बीच रहा। एक ओर भाजपा के नेतृत्व वाला सत्तारुढ़ गठबंधन है जो लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष गठबंधन सत्ता में वापसी के लिए संघर्षरत है। इसके अलावा कुछ क्षेत्रीय दल भी कुछ सीटों पर प्रभाव डालने की स्थिति में हैं।यहां मतदान का एक महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता के रूप में सामने आया। निचले असम के क्षेत्रों में, जहां अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या अधिक है, वहां मतदान प्रतिशत अत्यधिक रहा। बरपेटा, बोंगाईगांव और धुबरी जैसे जिलों में मतदान नब्बे प्रतिशत से ऊपर दर्ज किया गया। इसके विपरीत ऊपरी असम के क्षेत्रों में मतदान अपेक्षाकृत कम रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि चुनावी उत्साह उन क्षेत्रों में अधिक था जहां मुकाबला अधिक तीखा है।हालांकि मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर हिंसा की

घटनाएं भी सामने आईं, लेकिन कुल मिलाकर मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। भारी मतदान को लेकर सत्तारुढ़ नेतृत्व ने इसे ऐतिहासिक बताया और इसे जनता के विश्वास का प्रतीक माना।

केरल चुनाव- अब केरल की बात करें तो यहां का चुनाव परंपरागत रूप से दो प्रमुख गठबंधनों के बीच होता रहा है। इस बार भी मुख्य मुकाबला सत्तारुढ़ वाम मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ मोर्चे के बीच रहा, जबकि तीसरा विकल्प बनने की कोशिश कर रहा भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगा है।केरल में लगभग 77 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो पिछले चुनाव से अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक कोझिकोड जिले में सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जबकि कुछ क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। केरल में इस बार चुनाव का मुख्य सवाल यह रहा कि क्या सत्तारुढ़ गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगा या फिर विपक्ष वापसी करेगा? उच्च मतदान को लेकर अलग अलग राजनीतिक दलों ने अलग अलग दावे किए हैं। सत्तारुढ़ पक्ष इसे अपनी नीतियों के समर्थन के रूप में देख रहा है, जबकि विपक्ष इसे बदलाव की इच्छा का संकेत बता रहा है।हम आपको बता दें कि उत्तर केरल यानी मलाबार क्षेत्र इस बार भी चुनावी परिणामों की कुंजी माना जा रहा है। यहां की साठ सीटों पर तीनों प्रमुख राजनीतिक धाराओं की नजर है। पिछले चुनाव में इस क्षेत्र में सत्तारुढ़ दल को बड़ी सफलता मिली थी, लेकिन इस बार विपक्ष यहां बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है।

पुडुचेरी चुनाव- अब पुडुचेरी की बात करें तो यहां सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो लगभग नब्बे प्रतिशत के करीब रहा। यह पिछले सभी रिकॉर्ड को पार करता हुआ दिखाई देता है। यहां मुकाबला मुख्य रूप से दो गठबंधनों के बीच है। एक ओर सत्तारुढ़ एनडीए गठबंधन है तो दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष।पुडुचेरी में चुनावी मुद्दों में राज्य का दर्जा, बेरोजगारी और जल प्रदूषण जैसे विषय प्रमुख रहे। इसके अलावा एक नए राजनीतिक दल की एंट्री ने भी चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। उच्च मतदान से यह संकेत मिलता है कि जनता इन मुद्दों को लेकर गंभीर है और बदलाव या स्थिरता में से किसी एक को स्पष्ट रूप से चुनना चाहती है।तीनों राज्यों के आंकड़ों को मिलाकर देखें तो कुल मिलाकर पांच करोड़ से कई सीटों पर कड़ा मुकाबला और अस्सी प्रतिशत से अधिक मतदान इस क्षेत्र को और भी महत्वपूर्ण बना देता है। अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया और कुल एक हजार नौ सौ से अधिक उम्मीदवार मैदान में रहे। यह संख्या इस बात को दर्शाती है कि लोकतंत्र में भागीदारी कितनी व्यापक है।

भारी मतदान से क्या संदेश मिला?- अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारी मतदान सत्ता परिवर्तन का संकेत है या फिर यह सत्तारुढ़ दलों के प्रति विश्वास को दर्शाता है? चुनावी विशेषज्ञों की राय इस पर बंटी हुई है। कुछ का मानना है कि जब लोग बड़ी संख्या में मतदान करते हैं तो यह बदलाव की इच्छा का संकेत होता है, जबकि अन्य इसे सरकार के प्रति संतोष के रूप में देखते हैं। वैसे कई विश्लेषकों का यह भी कहना है कि तीनों ही राज्यों में चुनाव प्रचार के दौरान जो बात सबसे प्रमुख तौर पर नजर आई वह यह थी कि सरकार के खिलाफ नाराजगी जरूर दिखी लेकिन सरकार बदलने का भाव जनता के बीच नहीं दिखा।बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि असम में क्षेत्रीय ध्रुवीकरण, केरल में परंपरागत मुकाबला और पुडुचेरी में सीधी टक्कर ने इन चुनावों को बेहद रोमांचक और निर्णायक बना दिया है। भारी मतदान ने लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने का काम किया है और यह साफ संकेत दिया है कि जनता अपने अधिकार को लेकर पहले से अधिक सजग है। अब सबकी नजर मतगणना पर टिकी है, क्योंकि असली तस्वीर वही सामने लाएगी जो इस जनभागीदारी के पीछे छिपे जनमत को स्पष्ट करेगी।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

महात्मा फुले के विचार आज भी भारत के भविष्य के मार्गदर्शक हैं

महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ, लेकिन शुरुआती चुनौतियां कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाईं। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, इंसान को मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए।

(पीएम नरेंद्र मोदी)

आज ग्यारह अप्रैल हम सभी के लिए बहुत विशेष दिन है। आज भारत के महान समाज सुधारकों में से एक, और पीढ़ियों को दिशा दिखाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती है। इस वर्ष यह अवसर और भी अधिक महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि उनके दो सौंवे जयंती वर्ष का शुभारंभ भी हो रहा है। महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्मचिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। महात्मा फुले को केवल उनकी संस्थाओं या आंदोलनों के लिए ही याद नहीं किया जाता, बल्कि उन्होंने लोगों के मन में जो आशा और आत्मविश्वास जगाया, उसका व्यापक प्रभाव हम आज भी महसूस करते हैं। उनके विचार देशवासियों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ, लेकिन शुरुआती चुनौतियां कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाईं। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, इंसान को मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए। बचपन से महात्मा फुले बहुत जिज्ञासु थे और अपनी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा कहीं अधिक पुस्तकें पढ़ते थे। वे कहते भी थे- 'हम जितना ज्यादा सवाल करते हैं, उनसे उतना ही अधिक ज्ञान निकलता है।' साफ है कि बचपन से मिली जिज्ञासा उनकी पूरी यात्रा में बनी रही।

जीवन में शिक्षा सबसे महत्त्वपूर्ण मिशन- महात्मा फुले के जीवन में शिक्षा सबसे महत्त्वपूर्ण मिशन बनी। उनका मानना था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि ऐसी शक्ति है, जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब उन्होंने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। वे कहते थे, बच्चों में जो सुधार मां के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएं, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए खोले जाएं। उन्होंने शिक्षा को न्याय और समानता का माध्यम बताया।

शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमें आज भी बहुत प्रेरित करता है। पिछले एक दशक में भारत ने युवाओं के लिए शोध और नवाचार को बहुत प्राथमिकता दी है। एक ऐसी प्रणाली बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें युवा सवाल पूछने, नई चीजें सीखने और नवाचार के लिए प्रेरित हों। ज्ञान, कौशल और अवसरों में निवेश करके भारत अपने युवाओं को देश की प्रगति में आधार स्तंभ बना रहा है।

अपने शैक्षिक ज्ञान और बौद्धिकता से महात्मा फुले ने कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों की गहरी जानकारी हासिल की। वे कहते थे कि किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय समाज को कमजोर करता है। उन्होंने देखा कि सामाजिक असमानताएं खेतों और गांवों में लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं। इसलिए उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए भी हरसंभव प्रयास किए।

महात्मा फुले ने कहा था, 'जोपर्यंत समाजातील सर्वांना समान अधिकार मिलत नाहीत, तोपर्यंत खरे स्वातंत्र्य मिलत नाही'। यानी जब तक समाज में सभी लोगों को समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक सच्ची आजादी नहीं मिल सकती। इसी विचार को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की। उनका सत्यशोधक समाज, आधुनिक भारत के सबसे महत्त्वपूर्ण समाज सुधार आंदोलनों में से एक था। यह आंदोलन सामाजिक सुधार, सामुदायिक सेवा और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा था। यह महिलाओं, युवाओं और गांवों में रहने वाले लोगों की पुरजोर आवाज बना। यह आंदोलन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि समाज में मजबूती के लिए न्याय, हर व्यक्ति के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति जरूरी है।

व्यक्तिगत जीवन भी साहस की मिसाल रहा- उनका व्यक्तिगत जीवन भी साहस की मिसाल रहा। लगातार लोगों के बीच रह कर काम करने का असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ा, लेकिन गंभीर बीमारी भी उनके संकल्प को कमजोर नहीं कर सकी। एक गंभीर पक्षाघात के बाद भी उन्होंने अपना काम और संघर्ष जारी रखा। उनका शरीर कमजोर हुआ, लेकिन समाज के प्रति उनका समर्पण कभी नहीं डगमगाया। आज भी करोड़ों लोग उनके जीवन के इस पहलू से प्रेरणा लेते हैं।महात्मा फुले का स्मरण, सावित्रीबाई फुले के सम्मानजनक उल्लेख के बिना अधूरा है। वे स्वयं भारत की महान समाज सुधारकों में से एक थीं। भारत की पहली महिला शिक्षिकाओं में शामिल सावित्रीबाई ने लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाई। महात्मा फुले के निधन के बाद भी उन्होंने इस कार्य को जारी रखा।

वर्ग पहेली 6060

1	2		3	■	4	5	
6		■	7		8		■
9		10	■		11	■	12
	■	13		■	14	15	
16	17		■	18			■
■		■	19		20		
■	21	22		■	23		■
24			■	25		■	■

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1965 को इस देश में संविधान लागू हुआ था (4)
4. चतुर, होशियार, प्रवीण, प्रसन्न (3)
6. सर्वसाधारण, लोग, पुराणानुसार पांचवां लोक जहां से मनुष्य उत्पन्न होते है (2)
7. आतंक, भय (4)
9. सनिश्चय नहीं, बिल्कल नहीं (3)
11. प्रेम, प्यार, मोहब्बत (2)
13. नजदीक, करीब, समीप, निकट (2)
14. मुर्ग की जाति का एक प्रसिद्ध पक्षी, कपिंजल (3)
16. चमड़े आदि का कोड़ा यह कहलाता है (3)
19. किसी का नाम किसी बात, आदि के लिए निश्चित किया जाना (5)
21. अखबार, दस्तावेज आदि का विधिक पत्र, समाचार पत्र (3)
23. मुझे (मराठी)(2)
24. धूल आदि साफ करने की वस्तु (3)
25. सोने, चांदी आदि पर बनाया जाने वाला रंगीन काम (2)

ऊपर से नीचे

1. इस डायरी में प्रतिदिन की कार्रवाई का विवरण लिखा जाता है (5)
2. स्वीकार करना, धारण को स्थिर करना, सम्मान करना (3)
3. स्मरण, स्मृति (2)
4. पुराणानुसार यह अप्सराओं की जननी है (4)
5. सौ का सूचक अंक (2)
8. निराकरण, निष्पत्ति, एक कृषि उपकरण (2)
10. अशुद्धि, अशुचि, अपवित्र, बेदाग (3)
12. यह मरूस्थल भारत के उत्तर पश्चिम में तथा पाकिस्तन के दक्षिण-पूर्व में स्थित है (2)
15. स्थानांतर, परिवर्तन (4)
17. यह हंगरी की राजधानी है (4)
18. आकाश, अंतरिक्ष, आसमान (2)
19. नारी का अपभ्रंश, गला, गर्दन (2)
20. दृढ़तापूर्वक बैठना, तरल पदार्थ का ठोस रूप में बदलना (2)
22. किंतु, परंतु, डैना, लेकिन (2)

वर्ग पहेली 6059 का हल

रा	जी	व	गां	धी	■	अ	दा
ज	त	न	■	र	म	जा	न
की	■	ज	न	ता	■	न	व
य	क्ष	■	या	■	दु	■	गु
■	ति	■	दौ	■	आ	ब	रू
अ	■	■	र	सि	क	■	■
स	हि	त	■	ता	र	पी	न
म	त	■	गा	र	ना	■	ट

युद्ध के माहौल में ऊर्जा की मांग को पूरा करना बड़ी चुनौती!

(दीपक कुमार त्यागी)

इसी के चलते ही युद्ध के समय में कोयला व अन्य ऊर्जा स्रोतों की मांग बढ़ जाती है, लेकिन परिवहन व्यवस्था में रुकावट होने के चलते कोयला, गैस व तेल आदि को उपभोक्ता के पास तक समय पर पहुंचाना बेहद ही चुनौतीपूर्ण व जोखिम भरा कार्य होता है, हर पल यह दुश्मन के निशाने पर बने रहते हैं।

देश व दुनिया के नीति-निर्माता यह अच्छे से जानते हैं कि किसी भी देश की ऊर्जा प्रणाली उस देश के विकास की नींव होती है, लेकिन पिछले एक माह से भी अधिक समय से चल रहे ईरान अमेरिका व इज़रायल के भीषण युद्ध ने इस नींव को जबरदस्त ढंग से हिलाने का कार्य कर दिया है। अमेरिका-इज़रायल व ईरान के इस युद्ध ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़ा कटु सबक दे दिया है, इस युद्ध ने बता दिया है कि ऊर्जा के क्षेत्र में किसी भी दूसरे देश पर बहुत ज्यादा ही निर्भर रहना आज के जबरदस्त प्रतियोगिता व व्यावसायिक दौर में ख़तरे से खाली नहीं है। इस युद्ध ने दिखा दिया है कि ऊर्जा के लिए किसी भी अन्य देश पर बहुत अधिक निर्भर रहना राष्ट्र के विकास से बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न कर सकता है। आज के युग में विकास के पहिए को अनवरत चलाने के लिए ऊर्जा के क्षेत्र में विविधता अवश्य होनी चाहिए, देश को किसी भी एक तरह की ऊर्जा प्रणाली पर बिल्कुल भी निर्भर नहीं होना चाहिए, ऊर्जा के क्षेत्र में हर समय विकल्प अवश्य उपलब्ध होने चाहिए। वैसे भी देखा जाएं तो ऊर्जा क्षेत्र में विविधता जोखिम को अवश्य कम करने का कार्य करती है।इसलिए यह आवश्यक है कि युद्ध व किसी भी अन्य आपदा जैसी विषम परिस्थितियों में जीवन को सुचारू रूप है चलाने के लिए अपने प्यारे देश भारत में ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में तेज़ी से विविधता लाने की आवश्यकता है। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों की बात करें तो हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 'ऊर्जा सांख्यिकी भारत 2026' से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े जारी किये हैं, जिसमें भारत के ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े हुए ऊर्जा संसाधनों के भंडार, उत्पादन, खपत और व्यापार के आंकड़े शामिल हैं। इस रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार देश की कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति (टीपीईएस) वित्त वर्ष 2024-25 में 2.95 प्रतिशत बढ़कर 9,32,816 किलो टन तेल समतुल्य (केटीओई) तक पहुंच गई। रिपोर्ट देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में हो रही तीव्र वृद्धि को दर्शाती है, जोकि 31 मार्च, 2025 तक 47,04,043 मेगावाट तक पहुंच गई, जिसमें सौर ऊर्जा का कुल क्षमता का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा है, फिर पवन ऊर्जा और जलविद्युत परियोजनाएं हैं। इस रिपोर्ट में नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता में भी जबरदस्त वृद्धि देखी गई है, जो 2016 में 90,134 मेगावाट से बढ़कर 2025 में 2,29,346 मेगावाट हो गई है, नवीकरणीय स्रोतों से बिजली उत्पादन वित्त वर्ष 2015-16 में 1,89,314 गीगावाट घंटे से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 4,16,823 गीगावाट घंटे तक हो गया है। हालांकि इस रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार देश में कोयला आज भी ऊर्जा प्रदान का सबसे अहम स्रोत बना हुआ है, जिसके चलते ही कोयला की आपूर्ति वित्त वर्ष 2015-16 में 3,87,761 किलोटाइम ई.ई. से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 5,52,315 किलोटाइम ई.ई. हो गई है।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन की शुरुआत सुस्ती दे सकती है ऐसे में घर के कामों में आप का रुझान भी कम ही रह सकता है। इस समय पर काम के सिलसिले में यात्राएं भी बहुत अधिक बढ़ने वाली हैं इस दौरान घर के रख रखाव से जुड़े मामले आप पर भारी न पड़े इसके लिए हर बात का रखें ख्याल।

वृष

आज दिन रहेगा घर के कामकाज के साथ साथ खुद को समय देने के लिए महत्वपूर्ण। आज आप बाहर से मजबूत और अंदर से थोड़ा कोमल महसूस कर सकते हैं। रिश्तों में आपकी सोच गहरी होगी। अगर आप दिल और दिमाग दोनों को साथ लेकर चलेंगे तो बेहतर नतीजे मिलेंगे।

मिथुन

आज का समय थोड़ा संभल कर काम करें। आज के दिन ग्रहों की चाल आप को कर सकती है प्रभावित मन पर बना रहेगा असर। आज आपको अपने अंदर संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। भावनाओं में बहने के बजाय समझदारी से फैसले लें। रिश्तों में प्यार बना रहेगा, बस बातों को सही तरीके से कहना जरूरी होगा।

कर्क

आज घर परिवार की स्थिति रहेगी मिलेजुले प्रभाव वाली। आज आप अपनों के साथ जुड़ाव ज्यादा महसूस करेंगे। दिल से जुड़ी बातें आपको खुश भी करेंगी और थोड़ा भावुक भी। छोटी बातों को नजरअंदाज करना सीखेंगे तो दिन ज्यादा सुकून भरा रहेगा।

सिंह

आज आपका दिल थोड़ा ज्यादा नरम रह सकता है और छोटी-छोटी बातें भी आपको अंदर तक असर कर सकती हैं। किसी अपने को लेकर आप गहराई से सोचेंगे, लेकिन हर बात को ज्यादा तूल देने से बचें। समझदारी से काम लेंगे तो माहौल हल्का बना रहेगा।

कन्या

आज के दिन का समय आप को दे सकता है नए लोगों से कुछ नवीन चीजों को समझने की स्थिति। आज आप अपने रिश्तों और करीबियों को लेकर मन ही मन काफी सोचते रहेंगे। भावनाएं आपको थोड़ा धीमा कर सकती हैं, इसलिए हर बात को शांत मन से समझना बेहतर रहेगा जल्दबाजी में कोई प्रतिक्रिया न दें।

तुला

आज स्थिति सामान्य रहेगी पर मन के कारक ग्रह चंद्रमा आप को शांति से नहीं बैठने देंगे। आज आपके मन में कई उलझे हुए ख्याल आ सकते हैं। किसी खास रिश्ते या स्थिति को लेकर आप ज्यादा सोच सकते हैं। जरूरी है कि आप हर बात को दिल से नहीं, बल्कि समझ से भी देखें।

धनु

आज आप काफी उत्साहित और ऊर्जावान महसूस करेंगे, जिससे व्यक्तिगत कार्यों में तेजी आएगी. शाम होते ही आपका ध्यान अपनी सुख-सुविधाओं से हटकर बैंक बैलेंस और आर्थिक सुरक्षा की ओर मुड़ जाएगा. घरेलू माहौल में थोड़ी बेचैनी हो सकती है, इसलिए शांत रहकर स्थितियों को संभालें.

कुंभ

करियर के मामले में आज का दिन आप को नए लोगों के साथ काम करने का मौका देगा। इस समय घरेलू जिम्मेदारियों को संभाल पाना आसान न लग पाए। बच्चे अपनी जिद में भी बने रहेंगे। माता पिता के लिए ज्यादा सोचेंगे और उनके लिए कुछ अच्छा करने का मन बना सकते हैं। भावनाएं मजबूत रहेंगी, लेकिन हर चीज में समझदारी रखना जरूरी है।

वृश्चिक

आज का दिन वृष राशि वालों के घर परिवार की स्थिति को बना सकता है कुछ व्यस्तता से भरपूर। दोस्तों के साथ कुछ जरूरी कामों को करने के अलावा करियर की बातें भी साझा करने वाले हैं। घर के बड़ों के साथ कुछ काम के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। बच्चों की उछल-कूद कर सकती है परेशान।

मकर

आज आपके मन में कई छिपी हुई बातें उभर सकती हैं। छात्र इस समय अपनी पढ़ाई को लेकर काफी सजग रहेंगे। नौकरी में आज के दिन पद प्राप्ति का योग भी बन रहा है। आप किसी से दिल की बात कहने का सोच सकते हैं, लेकिन हर बात साझा करना जरूरी नहीं होता। सोच-समझकर ही कदम उठाएं।

मीन

आज के दिन की स्थिति प्रतिस्पर्धा के साथ आगे बढ़ने का मौका देने वाली है। आज आप अपने काम में मस्त रहेंगे पर ध्यान रखें की इसके चलते अपनी पर्सनल लाइफ को इग्नोर न कर बैठें। लोगों के साथ तालमेल बनाने में लगे रहेंगे। दिल की सुनना अच्छा है पर हर निर्णय सोच-समझकर लें। आपका अनुशासन आपको सही दिशा देगा।

मसाले में प्रमुख अदरक की उत्पादन तकनीकी

जलवायु एवं मृदा

अदरक की खेती के लिये उष्ण एवं नम जलवायु बहुत ही उपयुक्त है परंतु उषोष्ण जलवायु में भी अच्छा उत्पादन होता है। समुद्र सतह से 500 मीटर ऊंचाई तक वाले क्षेत्रों में अदरक का उत्पादन आर्थिक दृष्टिकोण से लाभप्रद है। इसकी कास्त अन्य मसालेदार फसलों की तुलना में विपरीत परिस्थितियों में अच्छी होती है। अदरक की कास्त के लिये अच्छे जल निकास वाली तथा जीवांश की अधिक मात्रा वाली भूमि में बड़ी सफलता से होती है। बलुआर दुमट, दुमट, लाल दुमट तथा जैटेराइट मृदा में अच्छी होती है। भारी काली दुमट में राइजोम सड़न की समस्या रहती है। अदरक 6.5 से 8 पी.एच. मृदा में अच्छा लेता है। आजकल ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बाडियों में तथा गमलों में भी अदरक उगाने की ओर भी रुझान रहता है। मध्यप्रदेश में भी इसकी कास्त के कुछ परीक्षण 1997-98 में कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए गये जिसके परिणाम काफी अच्छे रहे फलस्वरूप इसके क्षेत्र एवं उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है।

(अ) अधिक उत्पादन देने वाली- मारन, कराक्काल, रियो, डी, जिनेरो

(ब) कम रेशे वाली- जमैका,बैंगकाक, चीन (आयातीत) जो सब्जियों के लिये काफी उपयुक्त सब्जी वाली अदरक।

(स) अधिक ओलियो रेजिन प्रतिशत वाली प्रजातियाँ- इरनाड चरनाड, चाइना, कुरुप्पाम पाडी रियो-डी-जिनेरो

(द) अधिक शुष्क जिंजर प्रदाय वाली प्रजातियाँ - कराक्काल, नदिया, मारन.

(य) अधिक वाष्पशील तेल वाली प्रजातियाँ- राजीवाकोकण, नार्सापट्टम, इरनाड, चरनाड, हिमांचल प्रदेश.

रोपण सामग्री की मात्रा एवं उपचार

अदरक का रोपण राइजोम के 2.5 से. 5 से.मी. के टुकड़े जिनमें कम से कम 2 या 3 आंखें हो को बीज के रूप में उपयोग किया जाता है। इन टुकड़ों का वजन 20-250 ग्राम होना चाहिए। 1500 से 1800 कि.ग्राम राइजोम की मात्रा प्रति हेक्टर होती है। अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर 2000 कि.ग्रा. राइजोम प्रति हेक्टर बनता है। रोपण सामग्री को डाइथेन एम-45 (3 ग्राम दवा एक लीटर पानी) 0.3% घोल में राइजोम के टुकड़ों का 30 मिनट तक भिगोकर उपचारित करें. कतारों से कतारों की दूरी 25 से.मी. एवं राइजोम को 25-25 से.मी. की दूरी पर 2.50 मीटर की गहराई पर लगाएं तथा ऊपर से मिट्टी से ढक दें.

रोपण का समय

जिन क्षेत्रों में सिंचाई के साधन समुचित हैं तथा जमीन उपयुक्त एवं समय पर खेत कृषि क्रियाओं के लिये खाली हो वहां पर अदरक का रोपण फरवरी के अंतिम सप्ताह से मई के प्रथम सप्ताह तक करना काफी लाभप्रद होगा। उत्पादन अधिक होगा तथा राइजोम सड़न की भी समस्या कम होगी.

खेत की तैयारी एवं रोपण

जिस क्षेत्र में भूमि जनित बीमारियों, खरपतवार तथा कृमि सूत्रों का प्रकोप अधिक हो वहां पर भूमि का उपचार सोलराइजेशन विधि से करें। खेत की जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा कर क्यारियां बना लें फिर उसकी सिंचाई करें. सिंचाई के पश्चात उस खेत को 50 माइक्रान की सफेद प्लास्टिक सीट से अच्छी तरह ढक कर चारों तरफ के किनारों को मिट्टी से दबा दें। 15-20 दिन तक धूप में तपने दें। तत्पश्चात प्लास्टिक सीट हटाकर भली भांति जुताई करें। पूर्व फसल के अवशेष जड़े आदि पृथक कर खेत को साफ करें। आखिरी जुताई के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद/कम्पोस्ट खेत में प्रति हे. की दर से मिला दें. उसी समय 2 टन नीम खली महीन बुरक कर खेत में डालें। यदि नमी कम हो तो हल्की सिंचाई कर जुताई कर लें। 25 से.मी. की दूरी पर 15 सेंटीमीटर ऊंची मेढ़ बना लें। जल निकास की उचित व्यवस्था करें।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा

खेत की तैयारी के समय 20-25 टन गोबर/कम्पोस्ट खाद तथा 2 टन नीम की खली खेत में भली-भांति मिला दें. यदि सम्भव हो तो 400 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरडी 50 कि.ग्राम अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद के साथ मिलाकर आखिरी जुताई के समय खेत में बुरक दें। इसके अतिरिक्त आधी मात्रा म्यूरेटा ऑफ पोटाश 40 कि.ग्राम तथा पूरी मात्रा स्फुर 10 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से खेत में रोपण के पूर्व डाल दें. फिर 40 दिन बाद यूरिया 87 कि.ग्राम प्रति हे. डाले तथा मिट्टी से अच्छी तरह से ढक दें. पुनः 90 दिन बादशेष 40 कि.ग्रा. पोटाश एवं 87 कि.ग्राम. डालकर मिट्टी चढ़ा दें।

पलवार (मल्चिंग)

अदरक की फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए रोपण के तुरन्त बाद 10 टन हरी पत्ती प्रति हेक्टर की दर से पलवार (मल्चिंग) करें. इससे प्रस्फुटन शीघ्र होगा तथा वृद्धि अच्छी होगी। फिर 40 एवं 50 दिन बाद पांच-पांच टन हरी पत्ती से पलवार करें. खरपतवार निकाल दें. पलवार के लिये पलास का पत्ता काफी उपयुक्त है। अन्य हरी पत्ती से भी पलवार किया जा सकता है।

सिंचाई

सिंचाई समय-समय पर करें क्योंकि अदरक की जड़ें गहरी नहीं होती है। अतः ध्यान रखें कि 3-4 इंच स्तर पर जमीन में नमी बनी रहे। अधिक पानी न भरें अन्यथा राइजोम में राइजोम राट की समस्या आ सकती है साथ ही पौधे की बढ़वार रुक जाती है।

खुदायी एवं शस्योत्तर प्रबंधन

फसल की खुदायी आठ माह बाद करनी चाहिए जब पत्तियां पीली होने लगे और धीरे-धीरे सूखना शुरू हो जावें पत्तियों के अवशेष अलग करें। अनावश्यक जड़ें हटा दें। उत्पादन जातियों के प्रकार पर निर्भर करती है। औसत उत्पादन 15 से 25 टन प्रति हेक्टर होता है। खुदायी के बाद राइजोम को 2-3 बार धोकर साफ कर एक दिन सूरज के प्रकाश में सुखाकर ही भंडारण करें।

सोठ बनाने (सुखाने की विधि)

अदरक को भली भांति साफ कर उसको छिलके निकाल कर फिर धोयें जिससे राइजोम अच्छी तरह साफ हो जावे। छिलके निकालने के लिये जब रगड़ा जावे तो उसमें सावधानी रखे। जब छिलका हट जाए तो 2 प्रतिशत चूने का घोल बनाकर छिला हुआ सूखने दें। 16 से 25 प्रतिशत सूखा अदरक प्राप्त होगा।

अन्य शस्य क्रियाएं

प्रत्येक सिंचाई के बाद निदाई एवं मिट्टी चढ़ाना नियमित रखें पत्तियों के डंठल गले न हो तो उन्हें पृथक कर दें। जल निकास का ध्यान रखें अन्यथा अधिक पानी इकट्ठा होने पर पौधे पीले पड़ जाते हैं और सड़न शुरू हो जाती है। जब बीमारी एवं कीटों का प्रकोप हो तो तुरन्त उपचार करें. रोकथाम के लिये सुझाए तरीकों से दवा से भूमि एवं पौध उपचार करें.

अंतवर्तीय फसल

अदरक की फसल 8 माह में परिपक्व होती है। वैसे सब्जी के लिये 6 माह बाद भी बेचते हैं. इस अवधि में यदि गेंदा का रोपण कर दें तो नेमटोड पर नियंत्रण होगा। अन्यथा अन्य अंतरवर्ती लघु अवधि की फसल की जा सकती है। जैसे मक्का, अरहर अन्य सब्जियां भी की जा सकती हैं।

प्रमुख कीट

तना छेदक - यह कीट काफी क्षति पहुंचाता हैं, इसकी इल्ली जुलाई - अक्टूबर तक तने में छेद कर फसल को नुकसान करती है। तने में छेद कर देती है। उसी के रास्ते पौधे के खाए हुए मान को बाहर निकालती है। इसकी रोकथाम के लिये जुलाई से अक्टूबर तक मासिक अन्तराल पर 0.05 प्रतिशत मोनो-क्रोटोफास का छिड़काव करें.

पत्ती मोड़क

इसकी इल्ली पत्तियों को लपेट कर मोड़ लेती है तथा उसे खाती है फलस्वरूप पौधे में भोजन बनने की क्रिया क्षतिग्रस्त हो जाती है। पौधा पीले पड़ने लगता है। राइजोम की वृद्धि रुक जाती है। नियंत्रण हेतु 0.05 प्रतिशत डाइमिथियेट का छिड़काव करें।

राइजोम स्केल

यहकीट खेत एवं भंडार दोनों स्थान पर क्षति पहुंचाता है। राइजोम के रस को चूस लेता है जिससे वह सिकुड़ जाता है और सूख जाता है। इसके नियंत्रण हेतु क्विनालफास 0.1% का छिड़काव करें.

प्रमुख बीमारियाँ-1

राइजोम गलन (साफ्ट राट) यह फफूंद जनित बीमारी है। राइजोम का रंग भूरा एवं मुलायम हो जाता है उसमें गलन शुरू हो जाती है पौधा सूख जाता है। राइजोम एवं तने के जोड़ से बीमारी शुरू होती है जो ऊपर नीचे पड़ती है पौधा सूख जाता है इससे बड़ी क्षति होती है।

नियंत्रण- खेत में जलनिकास की समुचित व्यवस्था करें। ग्रसित भूमि का डाइथेन एम-45 के 0.3% घोल का केप्टाफाल के 0.3% घोल से 2-3 बार ड्रैथिन करे. बीज को उपरोक्तानुसार सुझाये विधि से उपचार कर रोपण करें।

वैक्टीरियल विल्ट

यह जीवाणु जनित (वैक्टीरियल) बीमारी है। इसके प्रकोप से नीचे की पत्तियाँ पीली पड़ना शुरू हो जाती हैं और धीरे-धीरे ऊपर की पत्तियां सूखने लगती हैं। प्रभावित तने पर गहरी धारियां बनने लगती है। तने को दबाने के बाद दूध के रंग के स्राव होता है. नियंत्रण हेतु सीड राइजोम को 200 पी.पी.एम. स्ट्रेप्टोसाइक्लिन के घोल में उपचारित कर रोपण करें. यदि बीमारी दिखे तो एक प्रतिशत वोर्डो मिक्सचर से ड्रेचिंग करें।

पत्तियों के धब्बे वाली बीमारी

यह फफूंद जनित बीमारी है। इसका प्रकोप जुलाई से अक्टूबर तक रहता है। पत्तियों पर जलन धब्बे बन जाते हैं जो बाद में सफेद धब्बे में परिणित हो जाते है। इसके नियंत्रण हेतु एक प्रतिशत बोर्डो मिक्सचर या 0.2% डाइथेन एम-45 के घोल का 15 दिन के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें.

बीज के लिये राइजोम का भंडारण

जब फसल खेत में खड़ी हो तो 6-8 माह के बीच स्वस्थ, बड़े क्लम्प वाले राइजोम का चयन कर खोदें तथा उन्हें साफ कर कटे आदि पृथक कर 0.3 प्रतिशत डाइथेन एम 45 के घोल में 30 मिनट तक डुबोकर रखें. फिर छाया में सुखाकर राइजोम को भंडारित करें। उचित होगा कि 2 इंच मोटी रेत के अंदर छाया में भंडारित करें.

अदरक के प्रमुख कीट एवं व्याधियाँ

अदरक लम्बी अवधि की फसल है जो ग्रीष्म, बरसात एवं शीतकाल तीन मौसम अवधि के अंदर परिपक्व होता है, अतः भूमि जनित एवं बाह्य बीमारियों एवं कीटों का प्रकोप होता है।

उन्नति का जरिया अनानास

जलवायु

अनानास गर्म और आर्द्र जलवायु का फल है. समुद्र तटीय क्षेत्र फलों के बढ़वार के लिये अत्यंत लाभदायक होता है, क्योंकि तटीय क्षेत्रों का तापमान अत्यधिक नहीं होता है. अनानास उत्पादन के लिये 22 से 32 डिग्री से. तापमान सर्वोत्तम होता है। पत्तियों के बढ़वार से लिए 32 से. एवं जड़ों के बढ़वार के लिये 29 से.तापमान सर्वोत्तम होता है. 20 डिग्री सें.ग्रे से कम तथा 36 डिग्री सें. ग्रे.से अधिक तापमान में पत्तियाँ एवं जड़ों की बढ़वार रुक जाती है। मैदानी क्षेत्रों की तेज सूर्य किरणों से पौधों की पत्तियों को हानि होती है. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के कुछ स्थानों पर आम के बगीचों तथा केला के बगीचों में सफलतापूर्वक मैदानी क्षेत्रों में अनानास उगाया जा सकता है। 100-150 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र एवं समुद्र तल से 1100 मी. की ऊंचाई में अनानास का व्यापारिक उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है. दुमट-बलुआर भूमि उत्तम होती है. पौधों की जड़ें 12-20 सेमी. गहराई तक जाती है, अर्थात् भूमि गहरी होना आवश्यक नहीं है. भूमि का जल निकास उचित होना चाहिए.पी.एच. मान 5-6 होना चाहिए.

किस्म

क्यू जायण्ट, क्यू, क्वीन, मॉरीसस, रेड स्पैनिश, सिंगापुर, स्पैनिश

देशी किस्म

जलधूप एवं लखाद ये किस्में असम क्षेत्र में उगाई जाती है. उगाई जाने वाले क्षेत्र के आधार पर इनका नामकरण किया गया है. दोनों किस्में क्वीन समूह में आते है, परंतु इसके फल आकार में छोटे होते हैं. लखाद स्वाद में हल्के खट्टे होते हैं, जबकि जलधूप मीठा होता है. जलधूप का फल एल्कोहलिक फ्लेवर (सुगंध) लिए हुए होता है। जो कि इस फ्लेवर के कारण क्वीन समूह में आसानी से पहचाना जा सकता है.

पौध उपचार

पौधों को लगाने से पहले सकर या अन्य सामग्री का उपचार आवश्यक है, जिससे उनमें हृदय सड़न का रोग न लगने पाए.पौधे को एक सप्ताह तक छाया में सुखा कर उसकी सूखी हुई पत्तियां अलग कर दें. इसके बाद बोर्डो मिश्रण (1:1:10) के घोल में निचला भाग डुबाकर खेत में लगाएं.

पौध रोपण

रोपण का समय- रोपण का समय प्राकृतिक बहार के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है.जो भिन्न-भिन्न स्थानों में भिन्न-भिन्न होता है. यदि रोपण सामग्री (प्रवर्धन सामग्री) में पर्याप्त कार्यकीय वृद्धि नहीं हुई है तो पौधों में या तो फूल देरी से आएंगे या बहुत जल्दी आएंगे जिससे पौधे बहुत ही छोटे फल बनाएंगे जो गुण एवं वजन दोनों में कम होंगे. अतः पूर्ण रूप से विकसित अर्थात् जिसकी कार्यकारी वृद्धि पूर्ण हो. ऐसे प्रवर्धन सामग्री का चयन करना चाहिए। रोपण का आर्द्रता समय प्राकृतिक रूप से बाहर आने के 12-15 माह पूर्व होनी चाहिए. जो दिसम्बर से मार्च तक भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रोपण का समय होता है.

रोपण

अनानास के पौधे लगाने की विधि अन्यफलों से भिन्न होती है. अनन्नास के पौधे तीन विधियों से लगाए जाते है:-

1. एक पंक्ति विधि
2. दोहरी पंक्ति विधि
3. तीन पंक्ति विधि

एक पंक्ति विधि में पौधे कतारों से निश्चित दूरी पर लगाए जाते हैं. दोहरी पंक्ति विधि में जो कि अधिकांश अपनाई जाती है, पौधों की दो पंक्तियां 0.5 मी. के अंतर से लगाना चाहिए. इन दो पंक्तियों के मध्य 0.75 मी.स्थान छोड़कर पुनः 0.50 मी. के अंतर से पंक्तियां लगाते हैं. पौधों की दूरी 40 सेमी. रखें. इस विधि से 35000 से 40000 पौधे प्रति हैक्टर लगाये जाते हैं. इस विधि से पौधे लगाने से उद्यानिकी क्रियाओं में सरलता होती है. तीन पंक्ति विधि से पौधा लगाना उचित नहीं होता है. पौधे लगाने से पहले खेत की अच्छी तरह जुताई करके भुरभुरा बना लेना चाहिए. खेत तैयार करते समय गोबर की खाद या कम्पोस्ट भी मिला देना चाहिए। खेत में आवश्यक अंतर पर कतारें बना लें और इन कतारों में अनानास के पौध लगाएं. पौधे 10 सेमी. गहरे लगाने चाहिए. पौधे, जिन्हें सकर कहते हैं, लगाते समय यह ध्यान रखें कि उनका हृदय का भाग भूमि में न दबने पाए. पौधे जुलाई से सितंबर तक वर्षाऋतु में तथा फरवरी-मार्च में बसंत ऋतु में लगाए जा सकते हैं.

सिंचाई

ग्रीष्म ऋतु में 7 से 10 दिन के अंतर में और शीत ऋतु में 15 से 20 दिन के अंतर से भूमि की किस्म के अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए. जड़ें गहरी न होने के कारण नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है.

प्रवर्धन

सकर

पौधे के मूल-तंत्र से निकली हुई पत्तियों वाली शाखाओं को, जो भूमि से निकलती है, सकर कहलाता है. अनानास का प्रवर्धन सकर द्वारा ही अधिकांशतः किया जाता है. सकर का वजन 500 से 750 ग्राम उपयुक्त माना जाता है.

क्राउन

फल के ऊपर लगी हुई पत्तियों के झुंड को क्राउन कहते है. क्राउन को सीधे तैयार खेत में रोपित कर सकते हैं.

स्लिप

तने तथा फल के निचले भाग से एवं भूमि से निकली हुई पत्तीदार शाखाओं को स्लिप कहते हैं. 300 से 400 ग्राम वाली स्लिप का प्रयोग रोपण के लिये प्रयोग करना चाहिए. जिससे पौधे समान आकार के होते है.

स्टम्प

फल के डंठल तथा तना को स्टम्प कहते हैं. इस प्रकार की प्रवर्धन विधि पेड़ी की फसल के लिये करते है.

निदाई, गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाना

अनानास की जड़ें भूमि की ऊपरी पर्त से पोषण लेती हैं. अतः अनन्नास के उद्यान में घास या खरपतवार का रहना अत्यंत ही हानिकारक होता है. पौधों की वृद्धि नहीं हो पाती. निंदाई के साथ पौधों में मिट्टी चढ़ाना आवश्यक होता है जिससे कि पौधे फलभार ग्रहण कर सकें. वर्ष में दो से तीन बार मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है. मिट्टी चढ़ाते समय यह ध्यान रखें कि मिट्टी में हृदय का भाग न दबने पाए. प्रत्येक सिंचाई के पश्चात हल्की गुड़ाई आवश्यक है.

तुड़ाई व उपज

फल पर स्थित आंखें जब पीली पड़ने लगती हैं, तब फल तोड़ने योग्य हो जाता है परंतु यदि फल दूर भेजना हो तो आँखें पीली पड़ने के पहले पूरी परिपक्व अवस्था में ही फल तोड़ लेना ठीक रहता है. इसके अतिरिक्त आंखों के पास की कोणीय बनावट कुछ कम हो जाती है और आंख के पास सहपत्र का जो भाग आंख के पास निकलता है, वह सूख जाता है। अनानास के फल में स्टार्च नहीं होता, इसलिये इसे तोड़ने के बाद मिठास में कोई विशेष वृद्धि नहीं होती है. फूल आने के लगभग 3.5 से 4 माह में फल पकने लगता है. औसत उपज 40 से 60 टन प्रति हेक्टर होती है.

सुजलॉन समेत 3 शेयर पर सोमवार को रखें नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप शेयर बाजार में ट्रेडिंग करते हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, ब्रोकरेज आनंद राठी के मेहुल कोठारी ने तीन शेयर के लिए अपना टारगेट प्राइस दिया है। आइए डिटेल जान लेते हैं। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव था। अब निवेशकों की निगाहें नए सप्ताह पर टिकी हैं। इस नए सप्ताह के पहले दिन कुछ शेयरों में हलचल की उम्मीद है। ब्रोकरेज आनंद राठी के मेहुल कोठारी ने तीन शेयरों को लेकर अपनी सिफारिश दी है। आइए डिटेल जान लेते हैं।
नेटवर्क 18 : मुकेश अंबानी की रिलायंस के स्टेक वाली इस कंपनी के लिए 32 से 31 की रेंज में खरीदने की सलाह दी गई है। इसका टारगेट 37 से 39 के बीच तय किया गया है। वहीं, स्टॉप लॉस 29 है। सुमी वायरिंग इंडिया : 39 से 37 की रेंज में खरीदने की सलाह है तो टारगेट 43 और 48 रखा गया है। शेयर का स्टॉप लॉस 35 है। सुजलॉन एनजी : मेहुल कोठारी कहते हैं कि यह शेयर 44 से 42 की रेंज में खरीदें। इसका टारगेट 49 और 55 है तो स्टॉप लॉस 38 है। भारतीय शेयर बाजार ने एक बहुत ही उतार-चढ़ाव भरा हफ्ता (6-10 अप्रैल, 2026) देखा लेकिन यह 6 तक प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ बंद हुआ, जो पिछले 5 से ज्यादा साल में इसका सबसे अच्छा साप्ताहिक प्रदर्शन रहा। हफ्ते की शुरुआत कमजोर रही, जिसकी वजह कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिका-ईरान हालात को लेकर भू-राजनीतिक तनाव लगातार निकासी थी। हालांकि, हफ्ते के बीच में हालात में तेजी से सुधार हुआ। ये वो वक्त था जब सीजफायर का ऐलान हुआ। आनंद राठी में टेक्निकल रिसर्च के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट, मेहुल कोठारी ने कहा लगभग 6 प्रतिशत की तेजी अब महज एक राहत भरी उछाल से कहीं अधिक लग रही है क्योंकि इंडेक्स ने 23,100-23,400 के अहम रेजिस्टेंस जोन को निर्णायक रूप से तोड़ दिया है और 24,000 के स्तर के आस-पास टिका हुआ है। उन्होंने कहा- हमें उम्मीद है कि निफ्टी कम समय में 24500-24800 के जोन को फिर से टेस्ट करेगा। हालांकि, कम समय के लिए कुछ ठहराव या 23600-23200 के जोन (गैप-फिल एरिया) की तरफ थोड़ा पीछे हटना मुमकिन है लेकिन ऐसी गिरावटों को कमजोरी के संकेत के बजाय खरीदने के मौके के तौर पर देखा जाना चाहिए। बैंक निफ्टी इंडेक्स के आउटलुक पर मेहुल कोठारी ने कहा कि इंडेक्स ने रिकवरी की है। यह 50,000 के निचले स्तर से ऊपर उठकर 56,000 के स्तर को फिर से छूने के करीब है। मतलब है कि इसमें लगभग 10 प्रतिशत की तेज रिकवरी हुई है। बता दें कि शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में बड़ी बढ़त देखी गई थी।

7100 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गया मल्टीबैगर शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर कंपनी अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स के शेयर 5 साल में 7100 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं। दो दिग्गज निवेशकों विजय केडिया और आशीष कचोलिया ने अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स पर बड़ा दांव लगाया हुआ है। स्मॉलकैप कंपनी अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स ने 5 साल में अपने शेयरधारकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स के शेयर 5 साल में 7100 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 3 पर्सेंट की तेजी के साथ 1865.25 रुपये पर बंद हुए हैं। दो दिग्गज निवेशकों विजय केडिया और आशीष कचोलिया ने अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स पर बड़ा दांव लगाया हुआ है। कंपनी से जुड़ा एक बड़ा बिजनेस अपडेट भी आया है। अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स के शेयर पिछले 5 साल में 7143 पर्सेंट चढ़ गए हैं।

रूस से तेल, भारत में रिफाइनिंग...

ईंधन संकट के बीच बांग्लादेश का दांव

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में जारी संघर्ष से भारत समेत दुनिया के कई देशों में ईंधन आपूर्ति संकट गहराया गया है। बांग्लादेश पर भी इसका गहरा असर दिखाई दे रहा है। ईंधन आपूर्ति संकट से निपटने के लिए बांग्लादेश एक नई रणनीति पर काम कर रहा है। बांग्लादेश अब रूस से कच्चा तेल खरीदकर उसे भारत में रिफाइन कराने और फिर वहां से तैयार ईंधन अपने देश लाने की योजना बना रहा है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार, इस प्रस्ताव के तहत कच्चे तेल की खरीद, भारत में उसकी रिफाइनिंग और तैयार ईंधन के परिवहन का पूरा खर्च बांग्लादेश ही उठाएगा। इस बारे में बांग्लादेश के ऊर्जा एवं खनिज संसाधन विभाग ने ऊर्जा मंत्री इकबाल हसन महमूद तुकु को प्रस्ताव भेजा है। साथ ही भारत के साथ सरकारी स्तर पर समझौते के लिए विदेश मंत्रालय से बातचीत की अनुमति मांगी गई है।

बांग्लादेश के पास चटगांव में केवल एक सरकारी रिफाइनरी है, जिसकी वार्षिक क्षमता 1.5 मिलियन टन है। यह रिफाइनरी मुख्य रूप से पश्चिम एशिया के कच्चे तेल के लिए बनी है। रूसी कच्चा तेल अक्सर हेवी ग्रेड का होता है, जिसे प्रोसेस करने के लिए चटगांव की रिफाइनरी सक्षम नहीं है। पेट्रोलियम उत्पादों के लिए पूरी तरह आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।

ईरान-अमेरिका युद्ध में बांग्लादेश की मदद की

हाल में ईरान युद्ध संकट के दौरान भारत ने बांग्लादेश को अतिरिक्त 5000 टन डीजल की सप्लाई की थी। इस तरह हाल के दिनों में भारत से बांग्लादेश को कुल 15,000 टन डीजल मिल चुका है। यह डीजल इंडिया-बांग्लादेश फ्रेंडशिप पाइपलाइन के जरिए परबतिपुर डिपो तक भेजा गया।

भारत-बांग्लादेश ऊर्जा सहयोग

हाल ही में बांग्लादेश के विदेश मंत्री भारत की यात्रा पर आए थे। इस दौरान भारत से डीजल आयात बढ़ाने पर प्रमुखता से चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच पहले से ही ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत संबंध हैं : सिलीगुड़ी (भारत) से परबतिपुर (बांग्लादेश) के बीच सीमा पार इंडिया-बांग्लादेश फ्रेंडशिप पाइपलाइन पहले से चालू है। नुमालीगढ़ रिफाइनरी : बांग्लादेश इस पाइपलाइन के जरिए भारत की नुमालीगढ़ रिफाइनरी से डीजल ले रहा है, जिसके लिए साल 2023 में 15 साल का समझौता हुआ था।

शेयर बाजार में मंगलवार को ठप रहेगी ट्रेडिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। अगले हफ्ते छुट्टियों की वजह से शेयर बाजार में सिर्फ 4 दिन ट्रेडिंग होगी। बता दें कि साल 2026 में शेयर बाजार के लिए 16 छुट्टियां तय हैं। इनमें से 6 छुट्टियां पहले ही बीत चुकी हैं। अगले सप्ताह की छुट्टी के बाद, बाकी बचे नौ महीनों में 9 और मौकों पर ट्रेडिंग बंद रहेगी। भारतीय शेयर बाजार में ट्रेडिंग करते हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, अगले हफ्ते छुट्टियों की वजह से शेयर बाजार में सिर्फ 4 दिन ट्रेडिंग होगी। जानकारी के मुताबिक शेयर बाजार के दोनों स्टॉक एक्सचेंज हस्थ्य और बीएसई मंगलवार, 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जयंती के मौके पर बंद रहेंगे। ऐसे में ट्रेडिंग सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को होगी। शनिवार और रविवार साप्ताहिक अवकाश का दिन होता है। इसके अलावा, भारत का सबसे बड़ा कमोडिटी एक्सचेंज, मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया अंबेडकर जयंती के अवसर पर सुबह के सत्र में बंद रहेगा। हालांकि, शाम के सत्र में इसमें ट्रेडिंग फिर से शुरू होगी। पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार गुड फ्राइडे और महावीर जयंती के मौके पर दो दिनों के लिए बंद रहा था। बता दें कि साल 2026 में शेयर बाजार के लिए 16 छुट्टियां तय हैं। इनमें से 6 छुट्टियां पहले ही बीत चुकी हैं। अगले सप्ताह की छुट्टी के बाद, बाकी बचे नौ महीनों में 9 और मौकों पर ट्रेडिंग बंद रहेगी। अंबेडकर जयंती के बाद, बाजार की अगली छुट्टी 1 मई को महाराष्ट्र दिवस और 28 मई को बकरी ईद के मौके पर होगी।

डीजल पर मोदी सरकार का बड़ा फैसला, इंफ्रा सेस 36 प्रति लीटर बढ़ाए

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने हाई-स्पीड डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 24 प्रति लीटर और इंफ्रा सेस 36 प्रति लीटर बढ़ाए हैं। आइए जान लेते हैं कि सरकार ने यह फैसला क्यों लिया है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जंग की वजह से भारत समेत दुनियाभर में फ्यूल संकट है। इस माहौल से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने हाई-स्पीड डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 24 प्रति लीटर और इंफ्रा सेस 36 प्रति लीटर बढ़ाए हैं। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि शुल्क में यह बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव से लागू होगी। बता दें कि इससे पहले 26 मार्च को सरकार ने डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर का एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाया था।

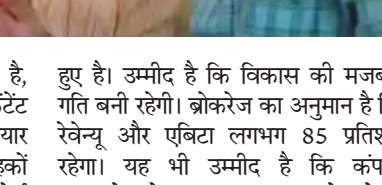

सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि उसने डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 21.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दी है। वहीं, हाई-स्पीड डीजल पर एडिशनल एक्साइज ड्यूटी और सेस भी बढ़ा दिए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत, हाई-स्पीड डीजल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी बढ़ाकर 24 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

क्या है फैसले की वजह

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ये शुल्क लगाए गए थे। इन शुल्कों का उद्देश्य निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकना है, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। बता दें कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य हमले शुरू करने के बाद तेहरान की ओर से व्यापक जवाबी कार्रवाई की गई थी। हालांकि, आठ अप्रैल को ईरान, अमेरिका और इजरायल दो सप्ताह के संघर्ष विराम पर सहमत हुए, जिससे पूरे पश्चिम एशिया और वैश्विक ऊर्जा बाजार में पैदा हुआ व्यवधान फिलहाल थमा है।

बैंक की अगले हफ्ते 4 दिन रहेगी छुट्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप अगले हफ्ते बैंक से जुड़े काम करने की सोच रहे हैं, तो ये खबर आपके काम की है। जी हां, क्योंकि 13 अप्रैल से 19 अप्रैल 2026 के बीच देश के अलग-अलग हिस्सों में

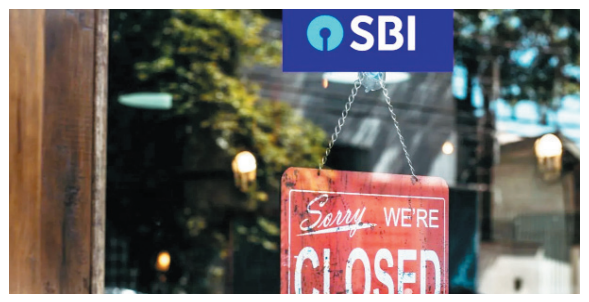

बैंक 4 दिन तक बंद रह सकते हैं। इसकी वजह कई बड़े त्योहार जैसे अंबेडकर जयंती, पोहेला बोइशाख और बोहाग बिहू हैं, जिनके चलते विभिन्न राज्यों में छुट्टियां घोषित की गई हैं। ऐसे में अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है, तो पहले से प्लानिंग करना बेहद जरूरी हो जाता है।

रिजर्व बैंक के छुट्टी कैलेंडर के मुताबिक 14 अप्रैल को देश के कई बड़े शहरों जैसे मुंबई, दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु में बैंक बंद रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 15 अप्रैल को भी कई राज्यों में छुट्टी जारी रहेगी, खासतौर पर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के इलाकों में। वहीं 16 अप्रैल को कुछ चुनिंदा राज्यों में बोहाग बिहू के चलते बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा 19 अप्रैल को रविवार होने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि एक राहत की बात यह है कि 18 अप्रैल, जो इस महीने का तीसरा शनिवार है, उस दिन बैंक खुले रहेंगे, क्योंकि भारत में बैंक केवल दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं। ऐसे में आप उस दिन अपने जरूरी काम निपटा सकते हैं।

बैंक की छुट्टियां पूरे देश में एक जैसी नहीं होतीं

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि बैंक की छुट्टियां पूरे देश में एक जैसी नहीं होतीं, बल्कि यह राज्य और स्थानीय त्योहारों के हिसाब से तय होती हैं। इसलिए बैंक जाने से पहले अपनी लोकल ब्रांच से जानकारी जरूर लें। भले ही शाखाएं बंद रहें, लेकिन डिजिटल बैंकिंग सेवाएं जैसे नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से चालू रहेंगी, यानी आप पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं, कैश निकाल सकते हैं और बैलेंस चेक कर सकते हैं। लेकिन, चेक क्लियरेंस, ड्राफ्ट बनवाना या बैंक मैनेजर से मुलाकात जैसे काम छुट्टी के दौरान संभव नहीं होंगे। त्योहारों के इस हफ्ते में बैंकिंग कामकाज थोड़ा प्रभावित रहेगा, इसलिए समय रहते अपनी प्लानिंग करना ही सबसे समझदारी भरा कदम होगा।

बड़े देशों के रिजर्व से ज्यादा भारतीय लोगों के लॉकर में सोना, रिपोर्ट ने चौंकाया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का आधिकारिक सोने का रिजर्व 880.3 टन है। इस मामले में भारत दुनिया में आठवें स्थान पर है। हालांकि, भारत के घरों और मंदिरों में निजी तौर पर जमा सोने का भंडार किसी भी एक देश के आधिकारिक सोने के भंडार से कहीं अधिक है। भारत के लगभग हर परिवार में सोना को लेकर दीवानगी है। यही वजह है कि भारत के घरों में अब दुनिया के टॉप 10 सेंट्रल बैंकों के कुल रिजर्व से भी ज्यादा सोना हो गया है। इंडस्ट्री बॉडी ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। 2024-25 और 2026 की शुरुआत में सोने की कीमतों में आई जबरदस्त तेजी के बाद भारत के घरों में रखे सोने की कीमत में भारी उछाल आया है। इसकी वजह से भारत के घरों में रखा सोना, अमेरिका, जर्मनी और चीन जैसे सबसे ज्यादा रिजर्व रखने वाले सेंट्रल बैंकों के सोने के भंडार से भी आगे निकल गया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के डेटा का हवाला देते हुए एसोचेम ने बताया कि भारत का आधिकारिक सोने का रिजर्व 880.3 टन है। इस मामले में भारत दुनिया में आठवें स्थान पर है। हालांकि, यह अमेरिका के 8,133.5 टन सोने के रिजर्व का दसवां हिस्सा भी नहीं है लेकिन भारत के घरों और मंदिरों में निजी तौर पर जमा सोने का भंडार किसी भी एक देश के आधिकारिक सोने के भंडार से कहीं अधिक है। हालांकि, फिजिकली सोना के साथ ही अब लोग डिजिटल सोना की ओर भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। भारत के घरों में रखे सोने की कीमत अब कई ट्रिलियन डॉलर के दायरे में मानी जा रही है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का अनुमान है कि भारतीय घरों और मंदिरों के पास लगभग 25,000 टन सोना है, जिसकी अनुमानित कीमत 2.4 ट्रिलियन डॉलर है। यह 2026 में भारत की अनुमानित नॉमिनल का लगभग 56 प्रतिशत है।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज का अनुमान है कि सोने की कीमतों में आई तेजी की वजह से जनवरी 2026 तक घरों में रखे सोने की कीमत बढ़कर 5 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक हो गई है। यह भारत की 125 प्रतिशत है। घरेलू बाजारों में सोने की कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में मध्यम रूप से तेज रहने की उम्मीद है क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार युद्ध का डर और वैश्विक स्तर पर मंदी का बढ़ता जोखिम सेफ-हेवन (सुरक्षित निवेश) की मांग को बढ़ा सकता है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान चांदी में 142 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई, जबकि सोने में लगभग 67 प्रतिशत की तेजी आई।

35 प्रतिशत से अधिक उछलेगा फिजिक्सवाला का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। फिजिक्सवाला के शेयर की बात करें तो अभी 101 रुपये पर है। शेयर के लिए ब्रोकरेज ने कहा कि मौजूदा स्तरों से इसमें लगभग 35 प्रतिशत से अधिक बढ़त की संभावना है। ब्रोकरेज का अनुमान है रेवेन्यू 27 प्रतिशत और एबिटा लगभग 85 प्रतिशत रहेगा।

एडुटेक कंपनी के शेयर में सुस्ती वाले माहौल के बीच ब्रोकरेज फर्म सिक्योरिटीज ने इसे खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज ने इस शेयर के लिए एक टारगेट प्राइस भी दिया है जो वर्तमान कीमत से 35 पर्सेंट से भी अधिक है। फिजिक्सवाला के शेयर की बात करें तो अभी 101 रुपये पर है। शेयर के लिए ब्रोकरेज ने रेटिंग दी है। इसके साथ ही 140 प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ कवरेज शुरू किया है। इसका मतलब है कि मौजूदा स्तरों से इसमें लगभग 35 प्रतिशत से अधिक बढ़त की संभावना है। इस शेयर के 52 हफ्ते का हाई 162.05 रुपये और 52 हफ्ते का लो 77.75 रुपये है। ब्रोकरेज का मानना है कि इस कंपनी की ताकत

उसके ओमनीचैनल मॉडल में निहित है, जिसके तहत वह सबसे पहले मुफ्त कंटेंट और जुड़ाव के जरिए बड़ा यूजर बेस तैयार करता है और फिर उन्हें पैसे देने वाले ग्राहकों में बदल देता है। इसके मुख्य ऑफर कोर्स ही हैं जबकि यह क्षेत्रीय भाषाओं और नई कैटेगरीज में भी अपना विस्तार जारी रखे हुए है। उम्मीद है कि विकास की मजबूत गति बनी रहेगी। ब्रोकरेज का अनुमान है कि रेवेन्यू और एबिटा लगभग 85 प्रतिशत रहेगा। यह भी उम्मीद है कि कंपनी एडजस्टेड लेवल पर मुनाफा कमाने लगेगी। अपने डिजिटल बिजनेस के साथ-साथ, कंपनी ने तेजी से बढ़ती हुई ऑफलाइन मौजूदगी भी बनाई है। कंपनी अब 200 शहरों में 300 से अधिक सेंटर चलाती है, जो क्लासरूम लर्निंग चाहने वाले स्टूडेंट्स को सेवा देते हैं। काफी कैश बैलेंस होने की वजह से कंपनी अपनी बैलेंस शीट पर बिना कोई दबाव डाले अपने विस्तार के लिए अंदरूनी तौर पर फंड जुटा रही है। इलेरा कंपनी के ऑनलाइन और ऑफलाइन बिजनेस की अलग-अलग वैल्यू लगाती है और मानती है कि इसकी ग्रोथ की संभावना और बढ़ते मुनाफे को देखते हुए, मौजूदा वैल्यूएशन अभी भी आकर्षक हैं। बता दें कि पिछले साल फिजिक्सवाला का आईपीओ आया था। यह 3480 करोड़ का एक बुक-बिल्डिंग इशू था, जिसमें 3100 करोड़ का नया इशू और प्रमोटर अलख पांडे और प्रतीक बूब द्वारा 380 करोड़ का 'ऑफर फॉर सेल' शामिल था।

जमी-जमाई नौकरी छोड़ीं, घर भी लगाया दांव, अब 120 करोड़ का टर्नओवर

जुड़वां भाइयों ने किया कमाल

नईदिल्ली, एजेंसी। आलोक कौशिक और अनुराग कौशिक चंडीगढ़ से हैं। जुड़वां भाइयों की इस जोड़ी ने बहुत कम समय में एक सफल स्टार्टअप खड़ा कर दिया है। विदेश में जमी-जमाई नौकरी छोड़कर उन्होंने साल 2019 में भारत में अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम 'नेचुरल्टेन' है। इसके लिए भाइयों ने अपना घर तक दांव पर लगा दिया। यह क्लीन प्रोटीन सप्लीमेंट बेचता है। जर्मनी में काम करने के दौरान उन्होंने वहां के सख्त क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को देखा। तय किया कि वे भारत में भी उसी स्तर का 'क्लीन प्रोटीन' उपलब्ध कराएंगे। आज यह स्टार्टअप 120 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक पहुंच गया है। आइए, यहां आलोक कौशिक और अनुराग कौशिक की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

अनुराग और आलोक कौशिक का सफर चंडीगढ़ से शुरू हुआ। लेकिन, करियर उन्हें पुणे और फिर जर्मनी ले गया। अनुराग एचसीएल (एचसीएल) में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट संभाल रहे थे। वहीं, आलोक जर्मनी की दिग्गज कंपनी ब्रूक में काम करते थे। 2019 में जब उन्होंने भारतीय बाजार का रुख किया तो पाया कि प्रोटीन सप्लीमेंट्स में स्टैंडर्ड और ट्रांसपेरेंसी की भारी कमी है। अपने इसी विजन के साथ दोनों भाइयों ने अपनी जमी-जमाई नौकरियां छोड़ीं। फिर स्टार्टअप को

खड़ा करने के लिए अपना घर तक दांव पर लगा दिया। जुड़वां भाइयों के स्टार्टअप की सबसे बड़ी ताकत इसकी 'जर्मन क्वालिटी' और कड़े परीक्षण हैं। उनके उत्पाद कोलोन लिस्ट से प्रमाणित हैं। यह एथलीटों के लिए डोपिंग मुक्त होने की गारंटी देता है। इसके अलावा, कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उनके सप्लीमेंट्स 'ग्लाइफोसेट' (एक हानिकारक कीटनाशक) से मुक्त हों। शुरुआत में उत्पादों का निर्माण जर्मनी में ही होता था। लेकिन, 2022 के बाद उन्होंने भारत में प्रमाणित थर्ड-पार्टी सुविधाओं के साथ उत्पादन शुरू किया। दिलचस्प यह है कि 120 करोड़ रुपये टर्नओवर तक पहुंचने के बावजूद आलोक और अनुराग ने कोई पेड विज्ञापन नहीं चलाए। इसके बजाय उन्होंने अपनी मार्केटिंग स्ट्रैटेजी 'भरोसे' पर आधारित रखी। उन्होंने अपने उत्पाद उन फिटनेस इन्फ्लुएंसर्स को दिए जो वास्तव में हेल्थ के प्रति जागरूक थे। जब इन विशेषज्ञों ने खुद उत्पाद इस्तेमाल किए और उन्हें पसंद किया तो 'वर्ड ऑफ माउथ' (मुंह जुबानी प्रचार) के जरिए ब्रांड की वैल्यू बढ़ती गई। आज कंपनी के 70 प्रतिशत से अधिक ऑर्डर सीधे उनकी वेबसाइट से आते हैं। आलोक और अनुराग के स्टार्टअप की ग्रोथ जबरदस्त रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में 12 करोड़ रुपये के रेवेन्यू से शुरू होकर कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 120 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। इसमें 8 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा शामिल है। अब तक 7 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवा दे चुके ये भाई वित्त वर्ष 2026-27 में 230 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का टारगेट लेकर चल रहे हैं।

सैमसन का तूफानी शतक, बनाया बड़ा रिकॉर्ड

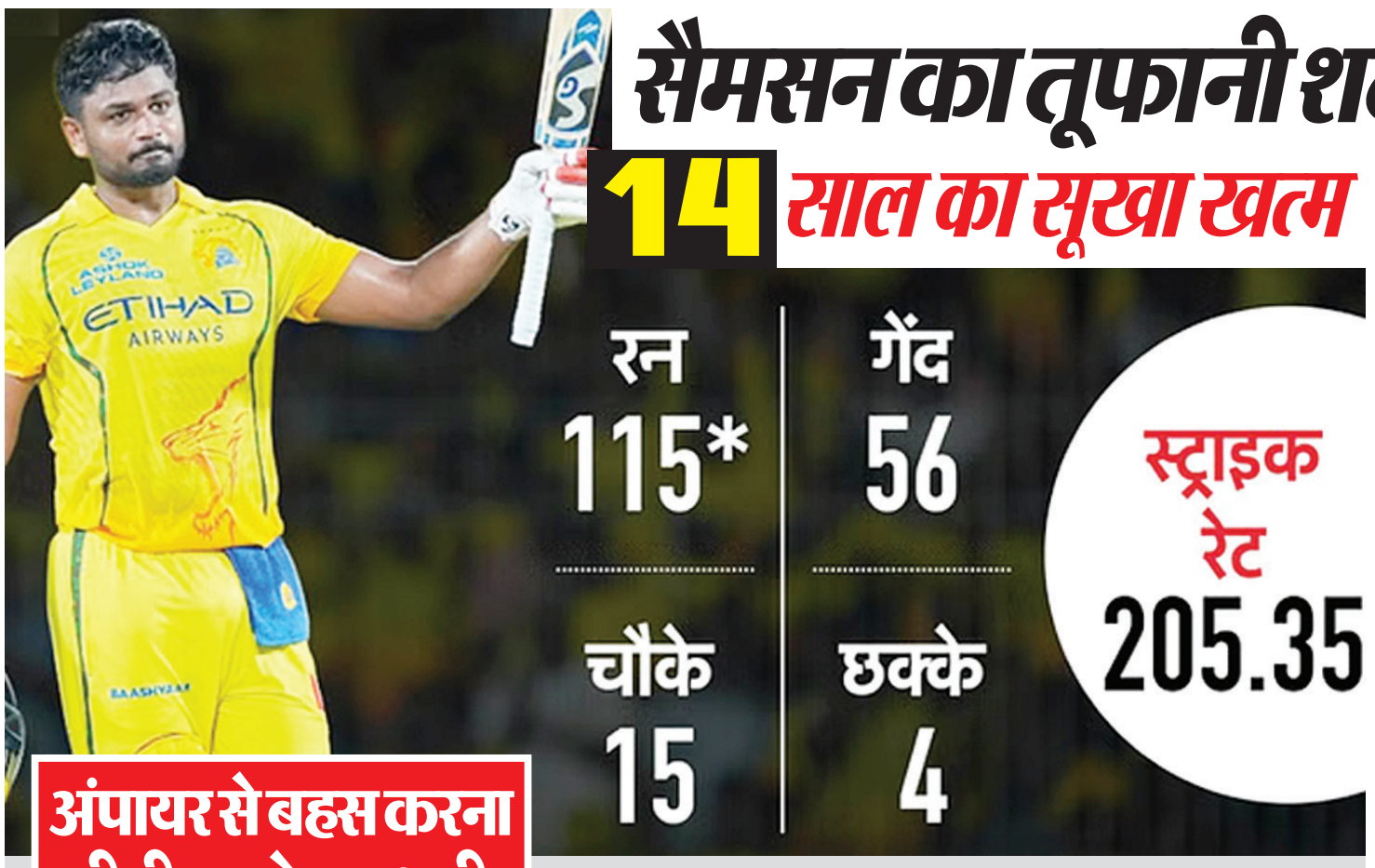

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 18वें मुकाबले में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का सामना दिल्ली कैपिटल्स से एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुआ। इस मैच में सबसे बड़ा आकर्षण रहे संजू सैमसन, जिन्होंने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

सैमसन ने जड़ा आईपीएल का चौथा शतक

संजू सैमसन ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए मात्र 56 गेंदों में 115 रन बनाए। उनकी इस पारी में 15 चौके और चार छक्के शामिल रहे। उन्होंने 205 के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए मैदान के चारों ओर शॉट लगाए और दिल्ली के गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया। यह उनके आईपीएल करियर का चौथा शतक रहा, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में यह उनका पहला शतक है।

सीएसके का दूसरा सैकड़ा

इस शतक के साथ सैमसन ने एक खास उपलब्धि भी अपने नाम कर ली। वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सीएसके की ओर से शतक लगाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा मुरली विजय ने साल 2012 में किया था। यानी पूरे 14 साल बाद सीएसके के किसी बल्लेबाज ने डीसी के खिलाफ शतक लगाया है। इसके अलावा सैमसन ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह केएल राहुल के बाद आईपीएल इतिहास के दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हुए शतक जड़ा है। सैमसन इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स (तब दिल्ली डेयरडेविल्स) के लिए भी शतक लगा चुके हैं।

दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी

मैच के दौरान सैमसन ने दूसरे विकेट के लिए आयुष म्हात्रे के साथ मिलकर 113 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। यह सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए मुकाबलों में किसी भी विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस साझेदारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

अंपायर से बहस करना नीतीश को पड़ा भारी
ऋतुराज पर भी लगा जुर्माना

आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद दो बड़े नामों पर कार्रवाई हुई है। दिल्ली कैपिटल्स के नीतीश राणा और सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़, दोनों को अलग-अलग मामलों में जुर्माना झेलना पड़ा। मैच के दौरान सबसे बड़ा विवाद दिल्ली की पारी के 19वें ओवर में देखने को मिला, जब बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स ने पसीने के कारण अपने ग्लव्स बदलने की अनुमति मांगी। चेन्नई की उमस भरी गर्मी में यह एक सामान्य मांग थी, लेकिन चौथे अंपायर ने इसे ठुकरा दिया। इसके बाद माहौल गर्म हो गया और स्टब्स के आउट होते ही नीतीश राणा अंपायर से भिड़ गए। इस व्यवहार को आईपीएल ने आचार संहिता का उल्लंघन माना। आईपीएल के बयान के मुताबिक, 'नीतीश राणा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है।' दूसरी ओर, चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी कार्रवाई से नहीं बच सके। उनकी टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं कर पाई, जिसके चलते उन्हें 12 लाख रुपये का जुर्माना भरना पड़ा। आईपीएल के मुताबिक, 'यह सीजन में टीम की पहली गलती थी, इसलिए गायकवाड़ पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।' स्लो ओवर रेट आईपीएल में एक गंभीर मुद्दा माना जाता है और बार-बार गलती होने पर सजा और भी कड़ी हो सकती है।

दिल्ली के खिलाफ चेन्नई ने 212 रन बनाए

अगर टीम के कुल स्कोर की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 212 रन बनाए। यह स्कोर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल में सीएसके का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है।सैमसन के अलावा आयुष म्हात्रे ने भी शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 36 गेंदों में 59 रन बनाए, हालांकि वह रिटायर्ड आउट हो गए। वहीं, पारी के अंत में शिवम दुबे ने तेजतर्रार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 10 गेंदों में 20 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया।दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी इस मैच में काफी फीकी नजर आई। टीम की ओर से एकमात्र विकेट अक्षर पटेल ने लिया, जबकि बाकी गेंदबाज सैमसन और अन्य बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में पूरी तरह नाकाम रहे। इस तरह सैमसन की यादगार पारी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने एक मजबूत स्कोर खड़ा किया और मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

सुजीत और अभिमन्यु ने जीते गोल्ड, एशियन कुश्ती में भारत के नाम 14 पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में शनिवार को वर्ल्ड अंडर-23 चैंपियन सुजीत और अभिमन्यु ने अपने-अपने पुरुषों के फ्रीस्टाइल फाइनल मुकाबलों में भारत को दो गोल्ड मेडल दिलाने में मदद की। किर्गिस्तान के बिश्केक में जारी चैंपियनशिप में सुजीत ने पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल फाइनल में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जलोलोव के खिलाफ 8-1 से जीत दर्ज की। इसके साथ ही वह बजरंग पूनिया (साल 2019) के बाद इस भार वर्ग में एशियन चैंपियनशिप का गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बन गए।

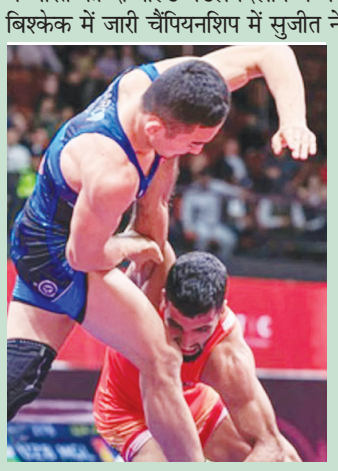

सुजीत ने शुरुआती राउंड में धीमी शुरुआत की, क्योंकि जलोलोव ने पकड़ बनाए रखी और भारतीय पहलवान को हमला करने का मौका नहीं दिया, लेकिन 23 वर्षीय भारतीय पहलवान ने दूसरे राउंड की शुरुआत में ही तेजी दिखाई और उज्बेक पहलवान के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। कुछ ही मिनटों बाद, अभिमन्यु ने भारतीय खेमे के लिए खुशी दोगुनी कर दी। अभिमन्यु ने पुरुषों के 70 किलोग्राम फ्रीस्टाइल फाइनल में 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मंगोलिया के तुलगा तुमुर ओचिर को 5-3 से हराया।
सीआईएसएफ सेंट्रल रेसलिंग टीम के 24 वर्षीय पहलवान हेड कांस्टेबल अभिमन्यु ने किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में 70 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर फोर्स और देश का नाम रोशन किया। संदीप मान के पास भारत के लिए गोल्ड मेडल्स की हैट्रिक पूरी करने का मौका था, लेकिन पुरुषों के 79 किलोग्राम वर्ग के एक कड़े मुकाबले वाले फाइनल में उन्हें 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, अंकुश ने जापान के फुगा सासाकी को 8-2 से हराकर पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में ब्रॉन्ज जीता। इसके साथ ही भारत के कुल मेडलों की संख्या बढ़कर दो गोल्ड, चार सिल्वर और आठ ब्रॉन्ज मेडल हो गई। मुकाबले के आखिरी दिन भारत के पास दो और गोल्ड मेडल जीतने का मौका होगा, क्योंकि पेरिस ओलंपिक्स के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन (पुरुषों की 61 किलोग्राम फ्रीस्टाइल) और मुकुल दहिया (पुरुषों की 86 किलोग्राम फ्रीस्टाइल) ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

गुरजपनीत पहली गेंद पर विकेट लेकर हासिल की विशेष उपलब्धि

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने करियर की पहली गेंद पर विकेट हासिल करने वाले 17वें खिलाड़ी बन गए हैं। छह फुट तीन इंच लंबे इस गेंदबाज ने शनिवार को आईपीएल 2026 के 18वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान अक्षर पटेल को अपना शिकार बनाया। इस लिस्ट में अन्य 16 खिलाड़ियों में से काफी गेंदबाजों के नाम आप भूल भी चुके होंगे। वहीं, कुछ नाम चौंकाने वाले भी हैं।27 वर्षीय गुरजपनीत सिंह को चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने दिल्ली कैपिटल्स की पारी के सातवें ओवर में गेंद थमाई। उन्होंने अपने आईपीएल करियर की पहली ही गेंद पर अक्षर पटेल को सरफराज खान के हाथों कैच आउट कराया। सरफराज खान ने बैकवर्ड प्वाइंट पर हवा में उछलकर शानदार कैच लपका, जिसके बाद गेंद को हाथ में लेकर लंबी दौड़ लगा दी। उस समय सीएसके के खेमे में शानदार जश्न का माहौल देखने को मिला। इसी के साथ गुरजपनीत सिंह आईपीएल करियर की पहली गेंद पर विकेट हासिल करने वाले 17वें खिलाड़ी बने।

पथिराना, ईशांत और अश्विनी भी शामिल

गुरजपनीत सिंह से पहले आईपीएल करियर की पहली गेंद पर सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में ईशांत शर्मा (2008, कोलकाता नाइट राइडर्स), विल्किन मोटा (2008, किंग्स 11 पंजाब), एस विद्युत (2008, चेन्नई सुपर किंग्स), रवि तेजा (2008, डेक्कन चार्जर्स), शेन हारवुड (2009, राजस्थान रॉयल्स), अमित सिंह (2009, राजस्थान रॉयल्स), चार्ल लैंगवेल्ट (2009, कोलकाता नाइट राइडर्स), केविन पीटरसन (2009, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु), अली मुर्तजा (2010, मुंबई इंडियंस), टीपी सुधींद्र (2012, डेक्कन चार्जर्स), एडम गिलक्रिस्ट (2013, किंग्स 11 पंजाब), हनुमा विहारी (2013, सनराइजर्स हैदराबाद), अल्जारी जोसेफ (2019, मुंबई इंडियंस), डेवाल्ड ब्रेविस (2022, मुंबई इंडियंस), मथीशा पथिराना (2022, चेन्नई सुपर किंग्स) और अश्विनी कुमार (2025, मुंबई इंडियंस) शामिल हैं। इस लिस्ट में गिलक्रिस्ट, ब्रेविस और पीटरसन के नाम चौंकाने वाले हैं, क्योंकि ये रेगुलर गेंदबाज नहीं हैं।

आईपीएल करियर की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले 17 गेंदबाजों की लिस्ट

श्रेयस का दिख रहा दम: रन रेज में रिकॉर्ड बेहतर

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला इन दिनों जमकर बरस रहा है। श्रेयस ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 के मुकाबले में अपना दम दिखाया और 220 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। श्रेयस की दमदार बल्लेबाजी से पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हराकर आईपीएल 2026 में अपना विजयी अभियान जारी रखा है। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 219 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। पंजाब किंग्स के लिए प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाए। पंजाब ने इस तरह आईपीएल में अपने इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज किया है। इससे पहले टीम ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 262 रनों का लक्ष्य हासिल किया था। पंजाब ने आईपीएल में 10वीं बार 200+ रनों का लक्ष्य चेज किया है जो किसी भी टीम की तुलना में सर्वाधिक है।

चेज करते हुए बेहतर है श्रेयस का रिकॉर्ड

तीन विकेट गिरने के बाद कप्तान श्रेयस ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे नेहाल वढेरा के साथ पारी को संभाला। वढेरा और श्रेयस के बीच चौथे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी हुई जिसे हर्ष दुबे ने तोड़ा। वढेरा 14 गेंदों पर एक छक्के की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुए। लेकिन श्रेयस डटे रहे और उन्होंने गियर बदलते हुए आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करना शुरू किया। श्रेयस ने 33 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। आईपीएल में सफल रन चेज के मामले में 2024 से श्रेयस का बल्ला जमकर बोला है। उन्होंने 13 पारियों में 138.75 के औसत और 171.82 के स्ट्राइक रेट से 555 रन बनाए हैं जिसमें छह अर्धशतक शामिल हैं। मुल्लांपुर में आईपीएल में इस मैच से पहले श्रेयस ने छह पारियों में 118.42 के स्ट्राइक रेट से 45 रन बनाए थे। लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में उन्होंने 209.09 के स्ट्राइक रेट से 33 गेंदों पर 69 रन बनाए।

बायर्न म्यूनिख ने 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

बर्लिन,एजेंसी। बायर्न म्यूनिख ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंडेसलिगा में एक सत्र में सर्वाधिक गोल करने का अपना ही 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लियोन गोरेत्जका का गोल बायर्न का लीग में इस सत्र का का 102वां गोल था जिससे उसने नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले का रिकॉड (101 गोल) भी बायर्न के नाम पर ही दर्ज था जो उसने 1971-72 में बनाया था।

बायर्न ने इस मैच में सेंट पाउली को उसके घरेलू मैदान पर 5-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत से बायर्न ने रियाल मैड्रिड के खिलाफ होने वाले चैंपियंस लीग मैच के लिए अपनी तैयारी का पुख्ता सबूत भी पेश किया और बोरुसिया डॉर्टमुंड पर 12 अंकों की बढ़त बनाकर बुंडेसलिगा में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। प्रतियोगिता में अभी पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

जमाल मुसियाला ने नौवें मिनट में हेडर से गोल करके फ्रैंज बेकेनबॉयर और गेर्ड मुलर की मौजूदगी वाली बायर्न की 1971-72 की टीम के 101 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की। गोरेत्जका ने 53वें मिनट में वॉली से गोल करके रिकॉर्ड तोड़ दिया।इसके ठीक एक मिनट बाद माइकल ओलिस ने गोल संख्या को 103 तक पहुंचाया। निकोलस जैक्सन ने बायर्न के लिए चौथा गोल दागा और राफेल गुएरेइरो ने इस सत्र में उसकी गोल संख्या 105 कर दी। बायर्न 29 मैच में 76 अंक लेकर शीर्ष पर काबिज है।

सविता की वापसी से भारत को मिली मजबूती

ब्यूनस आयर्स। स्टार गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया अर्जेंटीना के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाली चार मैचों की श्रृंखला से 10 महीने बाद राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम में वापसी करेंगी, लेकिन कप्तान सलीमा टेटे अस्वस्थ होने के कारण नहीं खेल पाएंगी। सविता निजी कारणों से खेल से विश्राम लेने के कारण जून 2025 के बाद से किसी प्रतियोगिता में नहीं खेली है जबकि मिडफील्डर सलीमा अभी 'चिकन पॉक्स' से उबर रही हैं।

यह दौरा भारत के लिए एफआईएच नेशंस कप, बेल्जियम और नीदरलैंड में इस साल होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय महिला टीम गुरुवार शाम को अर्जेंटीना के लिए रवाना हुई। इससे पहले उसने बेंगलुरु में अभ्यास शिविर में भाग लिया था। हैदराबाद में विश्व कप क्वालीफायर 2026 में

उपविजेता रहने वाली भारतीय टीम अपनी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

सलीमा की अनुपस्थिति में अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर इस दौरे में टीम की कप्तानी संभालेंगी। नवनीत ने हाल ही में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार हासिल किया था। अनुभवी भारतीय गोलकीपर सविता पूनिया की वापसी से टीम को काफी मजबूती मिलेगी। बिचु देवी खारिबाम उनके साथ गोलकीपिंग की जिम्मेदारी निभाएंगी। हाल ही में अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने

कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला द्वारा आयोजित निःशुल्क ब्रजदर्शन एवं गिरिराज जी

परिक्रमा यात्रा का 25 वाँ चरण पुजारियों, कर्मकाण्डी ब्राह्मण एवं भागवत आचार्यों के साथ आरम्भ

समस्त ब्राह्मण परिवार ने गौ रक्षा व सेवा के संकल्प के साथ यात्रा के लिए किया शंखनाद

भोपाल, नप्र। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला द्वारा धार्मिक यात्रा का आज 25 वाँ चरण भोपाल रेलवे स्टेशन से रवाना हुआ। इसमें भोपाल के समस्त मंदिर के पुजारियों, कर्मकांडी ब्राह्मणों एवं भागवत आचार्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। पूरे हर्षोल्लास के साथ पुजारी एवं भागवत आचार्य कर्मकाण्डी ब्राह्मण अपने अपने परिवार के साथ लगभग 300 की संख्या के साथ गोवर्धन परिक्रमा एवं बांके बिहारी के दर्शन के लिए भोपाल से 1 दिवसीय यात्रा के लिए रवाना हुए।

कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला द्वारा यह यात्रा निःशुल्क निकाली जाती है जिसमे चयनित व्यक्तियों को गोवर्धन परिक्रमा एवम बांके बिहारी के दर्शन कराए जाते हैं। इस बार की यात्रा में ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ पुजारियों एवं कर्मकांडी ब्राह्मणों और भागवत आचार्यों को परिवार सहित मथुरा यात्रा के लिए चयनित किया गया है। समस्त ब्राह्मण परिवार भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 1 पर एकत्रित हुए उसके बाद ब्राह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन के साथ स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर पर पूजा अर्चना व आरती कर समस्त ब्राह्मण परिवार ने गौ रक्षा व सेवा के संकल्प के साथ यात्रा के लिए प्रस्थान किया।

इस अवसर पर अनूप पांडे, अमित खत्री, दीपक दीवान, ब्रजेन्द्र शुक्ला, आशीष ओझा, संदीप सरवैया, प्रिंस नवांगे, आशीष शर्मा, दिलीप तिवारी, मुकेश पंथी, केशव मोरे, दिनेश माली आदि मौजूद थे।

श्री राम मानस शक्ति यज्ञ हेतु स्तंभ स्थापना की बैठक सम्पन्न

भोपाल । आगामी 19 अप्रैल को मीनल एमपीवी ग्राउंड में आयोजित होने जा रहे श्री राम मानस शक्ति यज्ञ के स्तंभ स्थापना कार्यक्रम को लेकर आज मीनल स्थित राम-जानकी मंदिर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई तथा यज्ञशाला में स्थापित किए जाने वाले 16 स्तंभों के पूजन एवं स्थापना की व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री स. रघुवंशी जी ने की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप एन एस रघुवंशी–पी एन कटारे, महेश शर्माअशोक कटारे, श्रीकांत अवस्थी, अरुण द्विवेदी, संजय त्रिपाठी, संदीप तिवारी, पीयूष चतुर्वेदी, कार्तिक शर्मा, गौरव शर्मा किशोर चौधरी आर एस यादव राकेश चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि स्तंभ स्थापना कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु घर-घर जाकर निमंत्रण पत्र वितरित किए जाएंगे, जिससे सभी श्रद्धालु इस पुण्य कार्य में सम्मिलित होकर धर्म लाभ प्राप्त कर सकें।

उल्लेखनीय है कि श्री राम मानस शक्ति यज्ञ का आयोजन 19 मई से 28 मई 2026 तक भोपाल में किया जाएगा, जो कि परम पूज्य आचार्य पंकज शर्मा जी के सानिध्य में संपन्न होगा।

इस भव्य धार्मिक आयोजन में भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होगे।

भोपाल में लुटेरों का आतंक

स्कूटी सवार महिलाओं का खींचा पर्स, फिसलने से टूटे हाथ-पांव, मोबाइल व नकदी भी लूटी

भोपाल निप्र। भोपाल में लुटेरों का इस कदर आतंक मचा हुआ है कि दिन और रात हर वक्त बेखौफ वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। भोपाल के श्यामला हिल्स जैसे वीवीआईपी क्षेत्र में सीनियर डॉक्टर को दिन दहाड़े सड़क किनारे गिराकर लूट को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों का पुलिस पता भी नहीं लगा पाई कि रायसेन रोड पर शनिवार रात बेखौफ बदमाशों ने चलती स्कूटी से दो महिलाओं को गिराकर लूट लिया।

महिलाएं सड़क पर घिसट गईं: बदमाशों ने स्कूटी से चल रही महिलाओं का झपट्टा मारकर पर्स खींच लिया, जिस कारण महिलाएं सड़क पर घिसट गईं। इस हादसे में महिलाओं के हाथ-पैर टूट गए और शरीर के अन्य अंगों में भी चोट आई। बदमाशों ने महिलाओं को सड़क पर गिराकर चोटिल किया और मोबाइल, नगदी व अन्य सामान लेट ले गए। लूट की सनसनीखेज वारदात रायसेन रोड पर बिजली कॉलोनी के पास की है। गोविंदपुरा पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इन घटनाओं से महिलाओं में बढ़ रहा खौफ: गोविंदपुरा पुलिस के ज्योति ठाकुर पत्नी अजय ठाकुर (38) ऐशबाग क्षेत्र स्थित पुष्पा नगर में रहती हैं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। कस्तूरी राठौर पति रामजीवन राठौर (46) उनकी पड़ोसन हैं। बीती रात ज्योति और कस्तूरी स्कूटी से अपनी सहेली नीतू शर्मा के नरेला शंकरी स्थित घर पर मुलाकात करने के लिए गई थीं। रात करीब दस बजे दोनों रायसेन रोड से घर लौट रही थी। दोनों महिलाएं बिजली कॉलोनी के पास पहुंची ही थीं कि पीछे से बाइक सवार बदमाश पीछा करते हुए आए और पीछे बैठी कस्तूरी राठौर का पर्स छीन लिया। इस प्रकार की घटनाएं महिलाओं के अंदर खौफ बढ़ाने वाली हैं। सख्त कार्रवाई की लोगों ने मांग की है।

कंधे में फंसा था पर्स, इसलिए सड़क पर गिरी महिलाएं: महिलाओं ने पुलिस को बताया कि कस्तूरी राठौर ने अपना पर्स कंधे से टंगा रखा था। बाइक में पीछे बैठे बदमाश ने जब कस्तूरी का पर्स खींचा तो वह कंधे में फंस गया। महिलाएं कुछ समझ पातीं कि बदमाश ने दोबारा पूरी ताकत के पास पर्स खींचा, जिसकी वजह से महिलाओं की स्कूटी अनियंत्रित हुई और दोनों महिलाएं सड़क पर गिर गईं। बदमाश ने इतना झटका देकर पर्स खींच कि पर्स की डोर का कुंडा टूट गया और वह पर्स लूटकर फरार हो गए। सड़क पर गिरी महिलाओं गंभीर रूप से घायल हो गईं। कस्तूरी के सिर में भी गंभीर चोट लगी साथ ही दाएं कंधे व कोहनी में चोट लग गई, जबकि ज्योति का दाहिना हाथ-पांव टूट गया। कस्तूरी को आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया

लूट के बाद दोनों महिलाएं बदहवाश हालत में सड़क पर घायल अवस्था में बिलख रही थीं। राहगीरों ने महिलाओं को उठाकर किनारे किया। पूछताछ कर पता और परिजनों का मोबाइल नंबर लेकर उन्हें अस्पताल पहुंचा। सूचना के बाद दोनों महिलाओं के परिजन भी अस्पताल पहुंचे। जहां महिलाएं काफी घबराई हुई थीं। इसके बाद गोविंदपुरा पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर बयान लिए और प्रकरण दर्ज किया।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त का बयान: इस मामले में गौतम सोलंकी (अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, जोन-2, भोपाल) का कहना है कि महिलाओं की शिकायत पर अज्ञात दो बदमाशों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में गोविंदपुरा थाने में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। इकाले की घेराबंदी भी की गई थी, लेकिन बदमाशों का पता नहीं चला है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगलवा रहे हैं, साथ ही क्षेत्र के सक्रिय पुराने लुटेरों की भी जानकारी खंगाली जा रही है।

निगम अमले ने की शहर में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही

ठेले, टेबिल, स्टैण्ड कांटा, स्टूल, फ्रेम आदि किये जप्त

भोपाल, नप्र। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सी.एम. हेल्पलाईन, महापौर हेल्पलाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न स्थानों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही की साथ ही 01 अवैध निर्माण भी रूकवाया और ठेले, टेबिल, कांटा, बांट, पलवा स्टैण्ड, लोहे के फ्रेम, प्लाईबोर्ड, बेंच आदि जप्त करने की कार्यवाही की।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शनिवार को कोलार वार्ड-82 व 83, चूना भट्टी, कलियासोत नहर, निर्मलादेवी गेट, आलोक धाम, ललिता नगर, 11 मील ब्रिज, इन्द्रपुरी सी-सेक्टर, पिपलानी पेट्रोल पम्प, पटेल नगर रायसेन रोड, साकेत नगर, बीडीए काम्पलेक्स, साकेत नगर ए, बी सेक्टर, 10 नम्बर स्टॉप, शाहपुरा, एम.पी. नगर जोन-02, अशोका गार्डन, प्रभात चौराहा, परिक्रमा पार्क, करोंद चौराहा हनुमान मंदिर, विष्वकर्मा नगर, लिंक रोड नम्बर-1,2,3, नेहरू नगर विवेकानंद स्कूल, नेहरू नगर चौराहा, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, भारत माता चौराहा, जय प्रकाश हास्पिटल, बोट

क्लब, एम.एल.बी कालेज, स्टेट बैंक चौराहा, हमीदिया रोड, चौक बाजार, शाहजहानाबाद गोलघर आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए नेहरू नगर में मकान के बाहर बना अवैध रूप से निर्मित लेट-बाथ, वार्ड क्र. 83 में अवैध बना 01 चबूतरा व पिपलानी पेट्रोल पंप के सामने अवैध रूप से निर्मित बेदर बोर्ड को तोड़ा और 10 नंबर क्षेत्र में 02 मकानों के सामने अवैध रूप से नाली पर रखी फर्शियां तथा 11 मील क्षेत्र में पुल के नीचे अवैध रूप से रखी रेत को भी हटाया।

निगम अमले ने अन्य क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए बांस-बल्ली वालों के अतिक्रमणों सहित बड़ी संख्या में ठेले, गुमठी, गन्ने की चरखी, दुकानों का बाहर रखा सामान, फुटपाथों पर लगी सब्जी, फल आदि की दुकानें सहित अन्य अतिक्रमणों को हटाया।

निगम अमले ने उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 02 सोडे वाली गाडियें, 07 ठेले, 13 टेबिल, 01 स्टेण्ड कांटा पल्वा बांट सहित, 03 स्टेण्ड, 04 स्टूल, 04 फ्रेम, 03 प्लाईबोर्ड, 05 बेंच आदि जप्त की।

एचपीवी टीकाकरण की समीक्षा बैठक सम्पन्न

भोपाल, नप्र। एसडीएम डॉ. अर्चना रावत शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को एसडीएम कार्यालय टी.टी. नगर सर्किल स्थित 12 दफ़्तर में एचपीवी टीकाकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत में सभी विभागों की भूमिका और अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रितेश रावत एवं अनुविभागीय चिकित्सा अधिकारी डॉ.अनिमेष सिंह उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा एचपीवी टीकाकरण अभियान की वर्तमान प्रगति, लक्ष्य पूर्ति की स्थिति एवं आगामी रणनीति पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय बढ़ाने, लाभार्थियों की सटीक सूची तैयार करने तथा समयबद्ध टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निगम, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इसके अतिरिक्त सरकारी एवं निजी विद्यालयों के नोडल शिक्षक भी उपस्थिति रहे,जिनके साथ अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विस्तृत चर्चा की गई। एसडीएम द्वारा टी.टी. नगर जोन में एचपीवी टीकाकरण की दर बढ़ाने के लिए विशेष निर्देश दिए गए,। उन्होंने विद्यालय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने, अभिभावकों को अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध कराने एवं लाभार्थी बालिकाओं को समय पर टीकाकरण हेतु प्रेरित करने पर ज़ोर दिया।

2866 स्थानों पर हुई जाँच, 4283 गैस सिलेण्डर जब्त

भोपाल, नप्र। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्त संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है। प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2866 स्थानों पर जांच की गई, 4283 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 11 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 738 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 1 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70% सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं। यह भी ध्यान रखा जाये कि सड़क पर कारोबार कर रहे छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेण्डर) को भी उक्त अनुसार कमर्शियल सिलेण्डर प्रदाय किये जायें। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक काम कर रहे हैं। प्रदेश के जिलों में स्थित बॉटलिंग प्लांट तथा वितरकों के पास उपलब्धता एवं प्रदाय की सतत् रूप से समीक्षा की जा रही है। साथ ही माईग्रेन्ट लेबर, छात्रों आदि के लिए खाना पकाने के लिये 05द्मद के सिलेण्डेर ऑयल कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आम जनता से अपील की गई है कि वह वैकल्पिक साधनों, जैसे इंडक्शतन,सोलर कुकर, बायो गैस, गोबर धन तथा स्वससहायता समूहों द्वारा उत्पादित गो-काष्ठ का उपयोग करें।

रसोई गैस की स्थिति: रसोई गैस का प्रदेश के बॉटलिंग प्लांटों में घरेलू एवं कॉमर्शियल एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है। घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के विरूद्ध एलपीजी सिलेण्डर का प्रदाय निरंतर रूप से किया जा रहा है। साथ ही कॉमर्शियल उपभोक्ताओं को शासन द्वारा तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार आवंटन प्रतिशत के आधार पर कमर्शियल गैस सिलेण्डरों की सप्लाई सतत् रूप से की जा रही है। घरेलू एवं कॉमर्शियल की सप्लाई में किसी प्रकार का अवरोध नहीं है। घरेलू एवं कॉमर्शियल सिलेण्डर की सप्लाई एवं वितरण सामान्य है।

पीएनजी गैस: सीजीडी संस्थाओं तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारियों के साथ प्रतिदिन समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी द्वारा विशेष अभियान चलाकर जिन घरों में पाईपलाईन की अधोसंरचना उपलब्ध है, एवं सप्लाई प्राप्त नहीं कर रहे है, ऐसे 1.5 लाख घरों को आगामी 03 माह में पीएनजी से कनेक्ट करने के लिये निर्देशित किया गया। इस हेतु सभी सीजीडी संस्था एं शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में कैम्प लगायें, जिसमें जिला प्रशासन, खाद्य विभाग नगर निगम/नगर पालिका के अधिकारी, ऑयल कंपनी और सीजीडी संस्थाओं के जिला अधिकारी उपस्थित रहें। ऐसे सभी घरों एवं व्यवसाईयों की सूची सीजीडी संस्था को उपलब्ध कराई जाये।

विहिप के केंद्रीय मंत्री विनायक राव देशपांडे पहुँचे प्रान्त गौरक्षा टोली सदस्य के निवास

भोपाल, नप्र। भोपाल प्रवास के दौरान विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मंत्री विनायक राव देशपांडे जी भोपाल विभाग में वीर सावरकर जिले के भगतसिंह प्रखंड में निवासरत प्रान्त गौरक्षा टोली सदस्य विनोद जोहरे के निवास स्थित रतन कॉलोनी करोंद पहुँचे। उनका तिलक लगा व अंग वस्त्र पहना स्वागत सम्मान किया गया। विनायक राव जी द्वारा विनोद जोहरे के परिवारजन व बड़े भैया से मुलाक़ात की ओर उनका हालचाल जाना। तत्पश्चात श्री जोहरे के निवास पर पिताजी के साथ विनायक राव देशपांडे जी व वीर सावरकर ज़िला संयोजक अभिषेक शर्मा ने भोजन भी किया। इस दौरान विहिप वीर सावरकर ज़िला सह मंत्री राजेंद्र नामदेव, बजरंगदल ज़िला सह संयोजक चंचल डोंगरे, जिला गो रक्षा प्रमुख मस्तराम, ज़िला सत्संग प्रमुख अभिषेक कुशवाह सहित भगतसिंह प्रखंड के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल मंडल से संचालित 10 ट्रेनों में कोच संरचना में स्थायी परिवर्तन

भोपाल । रेलवे द्वारा यात्री सुविधा एवं मांग को देखते हुए स्थाई/अस्थाई तौर पर अतिरिक्त कोच लगाए जाते है। इसी कड़ी भोपाल मंडल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली 10 ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती मांग एवं सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कोच संरचना में आंशिक संशोधन किया गया है। रेलवे द्वारा अधिसूचित 14 ट्रेनों में स्थाई आधार पर 1 एसी-3 टियर कोच की जगह 1 एसी-3 इकॉनॉमी कोच जोड़ा जाएगा।

निम्नलिखित ट्रेनों में कोचों का परिवर्तन प्रारम्भिक निर्धारित तिथियों से प्रभावी होगा :—

1) गाड़ी संख्या 12185 रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा तिथि 15 जून 2026 से।
2) गाड़ी संख्या 12186 रीवा-रानी कमलापति एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा तिथि 16 जून 2026 से।
3) गाड़ी संख्या 12155 रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा तिथि 17 जून 2026 से।

4) गाड़ी संख्या 12156 हजरत निजामुद्दीन-रानी कमलापति एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा तिथि 20 जून 2026 से।
5) गाड़ी संख्या 22165 भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा तिथि 20 जून 2026 से।
6) गाड़ी संख्या 22166 सिंगरौली-भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा तिथि 23 जून 2026 से।
7) गाड़ी संख्या 11633 भोपाल-चोपन एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा तिथि 21 जून 2026 से।
8) गाड़ी संख्या 11634 चोपन-भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा तिथि 22 जून 2026 से।
9) गाड़ी संख्या 11631 भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा तिथि 22 जून 2026 से।
10) गाड़ी संख्या 11632 धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा तिथि 24 जून 2026 से।

इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को अधिक किफायती एसी यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना एवं मांग के अनुरूप बेहतर सेवा प्रदान करना है। भोपाल मंडल निरंतर यात्री सुविधाओं के उन्नयन हेतु प्रतिबद्ध है।

स्थाई कोच संयोजन से यात्रियों को बेहतर सुविधा एवं संतुलित यात्री भीड़ प्रबंधन में सहायता मिलेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि इस स्थाई कोच सुविधा का लाभ उठाएं और साथ ही ट्रेन के कोच संयोजन की जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, एनटीईएस, रेल मदद 139 अथवा अधिकृत पूछताछ केंद्र से भी प्राप्त कर सकते हैं।

नगर निगम संयुक्त संघर्ष मोर्चा की बैठक आयोजित, विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी हुए शामिल

भोपाल, नप्र। नगर निगम संयुक्त संघर्ष मोर्चा भोपाल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों और संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की गई।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश शासकिय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ के साबिर खान ,इरफान अल्ताफ जिला अध्यक्ष (अध्यक्ष, मध्य प्रदेश शासकीय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ), श्याम लाल मीणा (राष्ट्रीय सफाई मजदूर संघ), रितेश कुमार मैना (मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ), अमरदीप बिट्टू भैया (मध्य प्रदेश सफाई मजदूर कल्याण संघ), चेन सिंह (राष्ट्रीय सफाई मजदूर संघ), राजेश लोहट (राष्ट्रीय सफाई मजदूर संघ), मोहम्मद मुशीर (नगर निगम भोपाल सफाई कर्मचारी संघ), नवल गोरे (प्रभारी, मध्य प्रदेश शासकीय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ), मोहम्मद सलमान (हेवी मशीनरी अध्यक्ष), अफजल नवाब (अध्यक्ष, केंद्रीय कर्मशाला), अदनान अहमद (कार्यालय सचिव), हसीब भाई एवं राजकुमार मीणा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में संगठनों के बीच समन्वय को मजबूत करने तथा कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

पीडब्ल्यूडी की नई दिशा: ग्रीन बिल्डिंग, रोड क्लासिफिकेशन और थीम आधारित विकास का मार्ग

भोपाल, नप्र। लोक निर्माण विभाग द्वारा ऐतिहासिक नगरी ओरछा में आयोजित मुख्य अभियंता कॉन्फ्रेंस में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने विभाग की प्राथमिकताओं, कार्यप्रणाली में सुधार एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की भावी दिशा पर समस्त मुख्य एवं प्रमुख अभियंताओं के साथ विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिनांक 10 दिसंबर-2025 को विभागीय समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन के दिशा में यह बैठक महत्वपूर्ण रही। मुख्य अभियंता कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ मंत्री श्री सिंह द्वारा श्री रामराजा सरकार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग श्री सुखवीर सिंह, प्रबंध संचालक सड़क विकास निगम श्री भरत यादव, प्रबंध संचालक भवन

विकास निगम श्री सिबी चक्रवर्ती, प्रमुख अभियंता श्री के.पी.एस. राणा और श्री एस आर बघेल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित रहे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस समीक्षा का मंच नहीं बल्कि खुली परिचर्चा का माध्यम है, जहां सभी अधिकारी अपने अनुभव साझा कर विभाग को नई दिशा देने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हर दो माह में इस प्रकार की परिचर्चा आयोजित की जाएगी, जिससे कार्यों की गुणवत्ता एवं परिणाम बेहतर हो सकें।

मंत्री श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिचर्चा के माध्यम से ही अनेक जटिल समस्याओं का समाधान संभव है और सभी अधिकारियों को एक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सड़क अधोसंरचना विकास अब केवल आवागमन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे पर्यटन विकास से भी जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में बबीना बाईपास से ओरछा मार्ग को उन्नत करने के निर्देश देते हुए कहा कि चौड़ीकरण के साथ साथ इस मार्ग को प्रभु श्रीराम के जीवन प्रसंगों की थीम पर विकसित किया जाएगा। इसके लिए विशेष डीपीआर तैयार की जाएगी, जिससे यह मार्ग स्वयं में एक आध्यात्मिक एवं पर्यटन अनुभव प्रदान कर सके। मंत्री श्री सिंह ने ह्याढ्ढ को पत्र लिखकर बबीना बाईपास पर ओरछा के लिये अंडरपास निर्माण का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए, जिससे सागर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग से आने वाले पर्यटकों को निर्बाध एवं सुरक्षित कनेक्टिविटी मिल सके। उन्होंने अमरकंटक पहुंच मार्ग के उन्नयन का उदाहरण देते हुए निर्देशित किया कि उसी तर्ज पर ओरछा मार्ग को भी आधुनिक डिजाइन, बेहतर संकेतक, सुरक्षा उपाय एवं पर्यटक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाए। बैठक में विभागीय कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण, समयबद्धता, नवीन तकनीकों के उपयोग, पर्यावरण अनुकूल निर्माण एवं विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, रेणु शर्मा द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर भोपाल, से मुद्रित तथा ई-3/23, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। **संपादक**- आशीष गोस्वामी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : narmadanewsttp@gmail.com, मोबाईल . 7697769136